जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

चूरू, रविवार 19 जुलाई, 2026

KEDIA™ Pavitra

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

पहले सरसों के तेल की झाँझ से आँखों में आँसू आ जाते थे... अब क्यों नहीं?

आखिर बदला क्या है... सरसों का तेल या हमारी नाक?

नानी-दादी के ज़माने की वही 0.36 की तेज़ प्राकृतिक झाँझ अब केडिया पवित्र कच्ची घानी सरसों के तेल में!

कच्ची घानी सरसों तेल

कोल्ड प्रेस्ड

पहली धार से निर्मित उच्च गुणवत्ता वाला कच्ची घानी तेल

तेज झांझ (0.36 झांझ)

MRP ₹4000.00 15 litre

MRP ₹300.00 1 litre

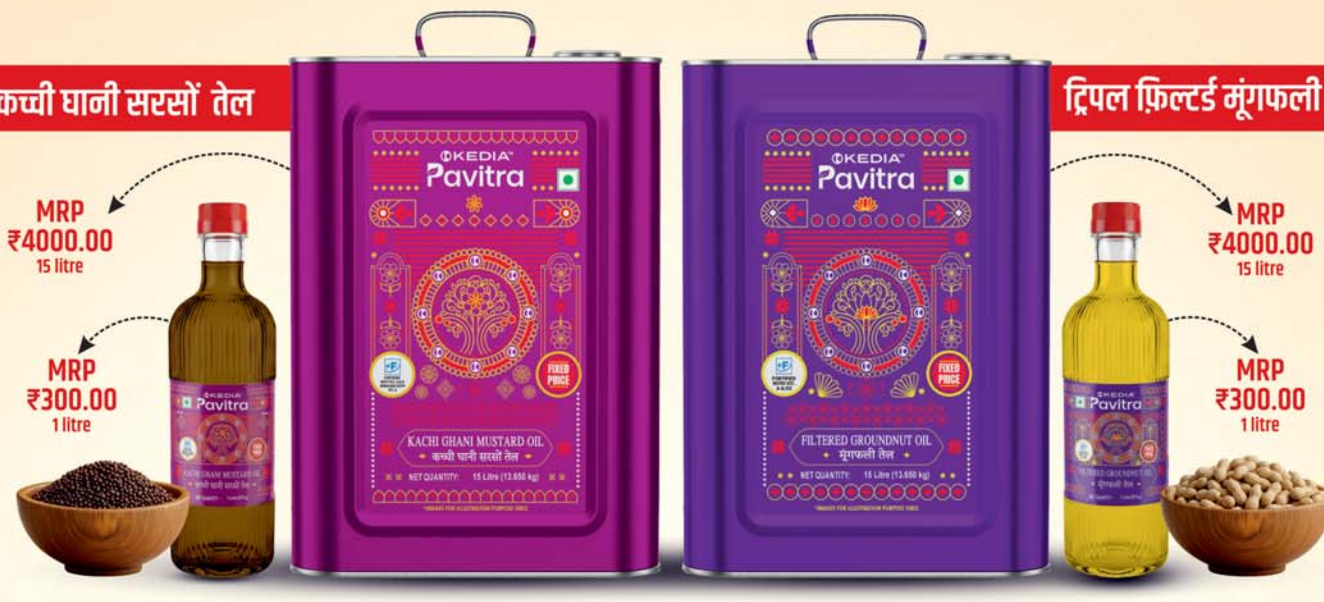

ट्रिपल फ़िल्टर्ड मूंगफली तेल

MRP ₹4000.00 15 litre

MRP ₹300.00 1 litre

ट्रिपल फिल्टर्ड

सोर्टेक्स क्लीन मूंगफली दानों से निर्मित

Low FFA (0.50 से कम)

प्रोडक्ट्स केटेगरी

आटा | गेहूँ | दाल | चावल | खड़े, पीसे एवं ब्लेंडेड मसाले | ड्राई फ्रूट्स | कुकिंग ऑयल | चाय | पोहा | मिश्री | गुड़ | हींग | मसाला सत्तू | सेंधा नमक सहित कम्प्लीट किचन बास्केट

कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और Zepto पर उपलब्ध!

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply* MRP ₹ Incl. of all taxes

KEDIA सेजस्थान अजमेर रोड, जयपुर

www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387

अजमेर रोड पर अन्य प्रोजेक्ट
- आधा नॉन-ब्राण्डेड कंस्ट्रक्शन मटेरियल
- पजेशन - 2030
- रेट - ₹9,000/Sq. Ft.

VS

अजमेर रोड पर केडिया सेजस्थान
- A to Z ब्राण्डेड कंस्ट्रक्शन मटेरियल
- पजेशन - शुरु
- रेट - ₹4,200/Sq. Ft.

फैसला आपका

"मंडी" जैसे दाम... लक्जरी आपके नाम

₹4200/- Sq ft में फ्लैट! लक्जरी की कीमत ₹5400/- Sq ft में कोठी!

FIXED PRICE

NO MIDDLE MEN

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	31 JULY 2026	31 AUG. 2026	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	68 Lacs	70 Lacs	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	78 Lacs	80 Lacs	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	85 Lacs	87.5 Lacs	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.10 Cr	1.125 Cr	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.32 Cr	1.35 Cr	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.70 Cr	1.75 Cr	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA® | 1800-120-2323 | info@kedia.com www.kedia.com 78770-72737

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

T&C Apply

विचार बिन्दु

आयु में आनंद है, समग्र शरीर के मंगल में, स्वास्थ्य में आनंद है। इसी आनंद का भाग करने पर दो वस्तुएं प्राप्त होती है, एक ज्ञान एवं दूसरा प्रेम।
–टैगोर

व्याधिक्षमत्व क्या है?

लगभग 5000 वर्ष पूर्व की बात है। भगवान आत्रेय के शिष्य अग्निवेश ने अपने गुरु से एक प्रश्न किया: भगवन! देखने में आता है कि हितकारी आहार का उपयोग करते हुये भी कुछ लोग रोगी हो जाते हैं, जबकि अहितकारी आहार लेते हुये भी कुछ लोग निरोगी देखे जाते हैं। ऐसी स्थिति में क्या अच्छा है और क्या बुरा इसकी पहचान कैसे की जाये? इस प्रश्न का जो उत्तर आत्रेय ने दिया, वह आज भी यथावत विज्ञान-संगत है। आत्रेय का उत्तर था:– अग्निवेश! हितकारी आहार करने वाले लोगों में आहार के कारण होने वाले रोग उत्पन्न नहीं होते और हितकारी आहार लेने मात्र से समस्त रोगों का भय दूर नहीं हो जाता। हानिकारक भोजन के अलावा भी रोगों के तमाम कारण, जैसे ऋतुओं का विपरीत होना, प्रज्ञापराध या जानबूझकर गलती करना, शब्द, स्पर्श, रूप, रस, गंध का अतियोग, मिथ्या योग एवं विषम योग आदि ऐसे कारण हैं जो उचित भोजन लेने के बावजूद भी मनुष्य को बीमार कर देते हैं। इसीलिये हितकारी आहार लेने वाले रोगी हो जाते देखे जाते हैं। हानिकारक आहार का उपयोग करने वालों में पथ्य, आहार, व शरीर की स्थिति में भिन्नता होने से हानिकारक आहार तुरन्त हानि नहीं पहुंचा पाते। सभी अपथ्य बराबर दोष वाले नहीं होते, न ही सभी दोष बराबर बलवान होते, और न सभी शरीर व्याधिक्षमत्व या रोग प्रतिरोधक क्षमता से संपन्न होते (न च सर्वाणि शरीराणि व्याधिक्षमत्वे समर्थानि भवन्ति। च.सू.28.7)। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एक ही अपथ्य आहार जगह, समय, संयोग, वीर्य, व मात्रा की भिन्नता के कारण या ज्यादा खा लेने से और अधिक अपथ्य हो जाता है। वही दोष विविध कारणों से, विरुद्ध चिकित्सा वाला, धातुओं में पहुंचा हुआ, शरीर के प्राणायतनों में उत्पन्न, मर्म पर चोट करने वाला, अत्यंत कष्टदायी अतिशय जल्दी रोगों को उत्पन्न करने वाला होता है। अंत में आत्रेय यह भी बताते हैं कि मूल रूप से शरीर की बनावट भी नैसर्गिक व्याधिक्षमत्व पर प्रभाव डालती है। बहुत मोटे या बहुत दुबले लोग, रक्त, मांस, व अस्थियों के सुसंगठित न होने के कारण बेडौल शरीर वाले लोग, दुर्बल, अल्पसत्त्व या कमजोर मनोबल वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता नहीं होती। जबकि इनके उलट लक्षणों वाले लोगों में रोगों को सहने की क्षमता होती है। इन अपथ्य आहारों, दोषों व शरीर की भिन्नता के कारण बीमारियाँ भी कम या ज्यादा, जल्दी या देर से उत्पन्न होती हैं।

अब आपको यह स्पष्ट हो गया होगा कि क्यों कुछ लोग प्राय: कभी बीमार नहीं पड़ते। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनमें जीवन के अंतिम दिन तक लगभग सभी क्लिनिकल पैरामीटर्स सामान्य बने रहते हैं। जैसा कि आपने पूर्व में पढ़ा, वस्तुत: इस चमत्कार के पीछे कोई चमत्कार नहीं बल्कि व्याधिक्षमत्व है। प्राचीन भारत के महर्षि–वैज्ञानिक आचार्य चरक व्याधिक्षमत्व सिद्धांत– प्रिन्सिपल ऑफ़ इम्यूनिटी–के जनक माने जाते हैं।

जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमार पड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है। मानसिक बीमारियों के सन्दर्भ में सत्त्व गुण जितना अधिक होगा, व्याधिक्षमत्व उतना ही बेहतर होगा। शरीर में सहज व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में यह बात महत्वपूर्ण है कि शरीर में दुरुस्त मांसपेशियों, संरचना, स्वरुप व मज़बूत इन्द्रियों वाला व्यक्ति रोगों के बल से कभी प्रभावित नहीं होता। भूख, प्यास, ठंडी, गर्मी, व्यायाम को ठीक से सहन करने वाला, सम अग्नि वाला, बुढ़ापे की उम्र में ही बूढ़ा होने वाला, मांसपेशियों के सही चय वाला व्यक्ति ही स्वस्थ है (च.सू.21.18): सममांसप्रमाणस्तुसमसंहननोनर:। दृढेन्द्रियोविकाराणां न बलेनाभिभूयते।। क्षुत्पिपासातपसह: शीतव्यायामसंसह:। समपक्तासमजर: सममांसचयोमत:।।

आधुनिक वैज्ञानिक संदर्भ में व्याधिक्षमत्व को इम्यूनिटी कहा जाता है। यह प्रतिरक्षा तंत्र संक्रमण, बीमारी या अन्य अवांछित तत्वों के आक्रमण से बचने के लिये शरीर को सुरक्षा प्रदान करता है। किसी व्यक्ति में व्याधिक्षमत्व में कमी होने से शरीर इम्यूनो–कॉम्प्रोमाइज्ड स्थिति में आ जाता है। ऐसी स्थिति में शरीर की रोग–प्रतिरोधक क्षमता कम होने सेरोगजनन आसानी से होता है। इम्यूनिटी किसी व्यक्ति के शरीर में विशिष्ट एन्टीबॉडी या श्वेत रक्त कौशिकाओं की क्रिया से किसी विशेष संक्रमण, विषाक्त पदार्थ या हानिकारी जीवन–शैली से होने वाले रोगों का प्रतिरोध करने की क्षमता के रूप में समझा जाता है।

व्याधिक्षमत्व को परिभाषित करते हुये चरकसंहिता के दिग्गज टीकाकार आचार्य चक्रपाणि ने लगभग 900 साल पहले लिखा (च.सू. 28.7 पर चक्रपाणि): व्याधिक्षमत्वं व्याधिबलविरोधित्वं व्याध्युत्पादप्रतिबन्धकत्वमिति यावत्। तात्पर्य यह है कि व्याधिबल की विरोधिता व व्याधि की उत्पत्ति में प्रतिबंधक होना व्याधिक्षमत्व है। अभिप्राय यह है कि शरीर में उत्पन्न बीमारी केबल या तीक्ष्णता को रोकने और बीमारी की उत्पत्ति को रोकने वाली क्षमता को व्याधिक्षमत्व कहा जाता है।

> **जिस व्यक्ति का सहज (इनेट) या युक्तिकृत (डेराइव्ड) व्याधिक्षमत्व मज़बूत है वह मुश्किल से ही बीमार पड़ता है। यदि बीमार पड़ भी जाये तो बीमारी अपना बल मुश्किल से ही दिखा पाती है। व्याधिक्षमत्व में दो शब्द निहित हैं, व्याधि एवं क्षमत्व। व्याधि का तात्पर्य शरीर की धातुओं (रस, रक्त, मांस, मेदा, अस्थि, मज्जा, शुक्र) में विषमता उत्पन्न होना है। क्षमत्व से तात्पर्य इस विषमता को न होने देने की क्षमता है।**

व्याधिक्षमत्व को बल, ओज और प्राकृत श्लेष्मा के रूप में भी जाना जाता है। बल वह शक्ति है जिसके द्वारा शरीर विभिन्न चेष्टाओं से कार्य संपन्न करता है। इस कार्योत्पादक शक्ति को व्यायाम–शक्ति से जाना देखा जाता है। बल के तीन प्रकार हैं (च.सू.11.36): त्रिविधंबलमिति– सहजं, कालजं, युक्तिकृतं च। सहजंयच्छरीरसत्त्वयो: प्राकृतं, कालकृतमृतुविभागजंवय: कृतं च, युक्तिकृतंपुनस्तद्यदाहारचेष्टायोगजम्। बल तीन प्रकार के होते हैं। सहज बल शरीर और मन पर आधारित होता है। उम्र के साथ शरीर की वृद्धि से प्राप्त बल को कालज बल कहा जाता है। खान–पान, जीवन–शैली और व्यायाम आदि की युक्ति से प्राप्त बल को युक्तिकृत बल कहा जाता है। रोग से रक्षा करने वाले को बल कहा जाता है। व्याधिक्षमत्व को ओज और ओज को बल के रूप में भी समझा जाता है (सु.सू.15.19) रसादीनांशुक्रान्तानांधातूनांयत्परंतेजस्तत्खल्वोजस्तदेवबलमित्युच्यतेस्वशास्त्रसिद्धान्तात्। रसादिक तथा शुक्रान्त धातुओं के उत्कृष्ट सार भाग को ओज कहते हैं तथा आयुर्वेद के अनुसार उसी का दूसरा नाम बल है। यही बल व्याधियों से शरीर की रक्षा करता है। यहाँ एक बात समझना आवश्यक है ओज और बल हालाँकि एक कहे गये हैं किन्तु ओज को कारण और बल को कार्य माना जाता है। ओज का रूप, रस और वर्ण होने से द्रव्य है जबकि बल इसका कार्य है। यहाँ व्याधिक्षमत्व के सन्दर्भ में बल (कार्य) और कारण (ओज) को एक मान लिया जाता है। इसी सन्दर्भ में प्राकृत कफ को बल या व्याधिक्षमत्व का कारण माना जाता है (च.सू.17.117): प्राकृतस्तुबलं श्लेष्मा विकृतो मल उच्यते। स चैवौज: स्मृत: काये स च पाप्मोपदिश्यते।। यही कारण है कि कफज प्रकृति में उत्तम बल, पित्तज प्रकृति के व्यक्तियों में मध्यम बल तथा वातज प्रकृति के व्यक्तियों में अवर बल होता है।

इस प्रकार व्याधिक्षमत्व का तात्पर्य व्याधि–बल का विरोध शरीरगत बल द्वारा किया जाता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न भावों को दशविधि रोगी परीक्षा के भावों में भी देखा जाता है। उदहारण के लिये व्यक्ति की मूल प्रकृति का बल से सीधा सम्बन्ध होता है। सबसे उत्तम सम प्रकृति (वात–पित्त–कफज) है, परन्तु किसी जनसंख्या में समप्रकृति वाले बहुत कम होते हैं। अत: व्यवहार में कफ प्रकृति वालों को बेहतर बल वाला माना जाता है। इसके साथ ही सार भी बल को प्रभावित करता है। सारयुक्त से तात्पर्य यह है कि व्यक्ति में साररूप धातुओं का नियमित निर्माण होता है। सार धातुओं के सम्यक प्रकार से उत्पन्न होते रहने पर शरीर में व्याधिक्षमत्व बढ़िया बना रहता है। जैसा कि पूर्व में चर्चा की गयी है, बल का मुख्य कारक ओज है जो सभी धातुओं का सार है। साररूप में यह सभी धातुओं में व्याप्त होकर धातुओं की रक्षा करता है। व्याधिक्षमत्व को प्रभावित करने वाले अन्य भावों में सात्म्य, सत्त्व, अग्नि, शारीरिक–शक्ति व वय हैं। अग्निबल को आहार करने की क्षमता से परखा जा सकता है। आहार–शक्ति (आहार की मात्रा) अग्निबल पर आश्रित है। यदि व्यक्ति की आहार शक्ति मज़बूत है तो भोजन का पाचन और धातुओं की पुष्टि यथोचित होने से शरीर मज़बूत रहता है। व्यायाम–शक्ति या शारीरिक रूप से श्रम करने की शक्ति भी बल का संकेतक है। व्यक्ति की वय या उम्र का भी बल से संबंध होता है। युवावस्था में उत्तम बल और जरा या बुढ़ापा आने पर बल कम रहता है।

व्याधिक्षमत्व का रोगों से बचाव और उपचार में अनिवार्यता को देखते हुये यह प्रश्न स्वाभाविक है कि व्याधिक्षमत्व को बढ़ाने के लिये कौन सी युक्ति का क्रियान्वयन किया जाये? व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये बल व ओज की वृद्धि में सहायक द्रव्यों और क्रियाओं का इस प्रकार युक्तिपूर्वक नियमित सेवन करना चाहिये, जिससे व्याधिक्षमत्व का संरक्षण व वृद्धि हो किन्तु प्रकृति, अग्नि, धातुओं वमलक्रिया का समत्व तथा आत्मा, इन्द्रियों व मन की प्रसन्नता यथावत बनी रहे। यह विषय इतना विस्तृत है कि पूरा आयुर्वेद इसमें समाहित है। तथापि संक्षेप में व्याधिक्षमत्व बढ़ाने के लिये सात रक्षा–दीवारों की निरंतर और सम्यक सार–सम्हाल करना आवश्यक है। इनमें (1) आहार या खानपान, (2) विहार या जीवनशैली, (3) स्वस्थवृत्त या व्यक्तिगत स्वास्थ्य विषयक क्रियायें, (4) सद्वृत्त या व्यक्तिगत सदाचरण, (5) पंचकर्म या शारीरिक विषाक्तता को बाहर करने के लिये आयुर्वेद की पांच प्रक्रियायें, (6) रसायन या उम्र–आधारित रोगजनन को रोकने हेतु कायाकल्प उपाय, और अंतत: (7) औषधि या चिकित्सा शामिल हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

जब शिक्षण संस्थानों में शिक्षक ही नहीं, तो भाषा की नीतियों का हम क्या करेंगे?

प्रोफेसर अशोक कुमार

आज 21वीं सदी के भारत में जब हम एक वैश्विक महाशक्ति बनने का दावा करते हैं, तब हमारी शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप को देखकर एक अत्यंत चिंताजनक तस्वीर सामने आती है। वर्तमान में शिक्षा का वास्तविक स्वरूप अकादमिक उत्कृष्टता, कौशल विकास या अनुसंधान आधारित न होकर, केवल वैचारिक प्रतीकों, भाषाई विवादों और राजनीतिक एजेंडों का एक साधन बनकर रह गया है। यह एक ऐसा विचारणीय प्रश्न है जिस पर राष्ट्रव्यापी आत्ममंथन की आवश्यकता है। हम इस बहस में तो पूरी ऊर्जा लगा रहे हैं कि स्कूलों में कितनी भाषाएँ पढ़ाई जाएँ, कौन सा राष्ट्रगान या राष्ट्रगीत पहले गाया जाए, और पाठ्यक्रम में किस विचारधारा को स्थान मिले, लेकिन हम उस बुनियादी सच से आँखें मूँदे बैठे हैं कि क्या स्कूलों में बच्चे और शिक्षक मौजूद भी हैं या नहीं?

भाषाई और वैचारिक विवादों का मुखौटा : –अक्सर देखा जाता है कि देश के विभिन्न राज्यों में शिक्षा को लेकर होने वाली अधिकांश चर्चाएँ भाषाओं की संख्या पर केंद्रित होती हैं। कोई राज्य दो भाषाओं (द्विभाषा सूत्र) की वकालत करता है, तो कोई तीन भाषाओं (त्रिभाषा सूत्र) की। हद तो तब हो जाती है जब प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर बिना किसी व्यावहारिक समझ के एक प्रदेश की भाषा को दूसरे प्रदेश पर थोपने का प्रयास किया जाता है–जैसे राजस्थान में मराठी अनिवार्य करने की अव्यावहारिक महत्वाकांक्षा। केरल जैसे राज्य अपने भाषाई और क्षेत्रीय गणित के अनुसार अलग रुख अपनाते हैं।

इसके साथ ही, स्कूलों में कौन सा गीत गाया जाएगा, प्रार्थना क्या होगी, और संस्कृत को अनिवार्य कैसे बनाया जाए, इन प्रतीकात्मक मुद्दों पर घंटों बहस होती है। नि:संदेह, अपनी संस्कृति, संस्कृत भाषा और राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान आवश्यक है, लेकिन यह सम्मान तब तक बेमानी है जब तक हमारे बच्चे बुनियादी साक्षरता और ज्ञान से वंचित हैं। इन वैचारिक बहसों की आड़ में शिक्षा के असली संकट को कालीन के नीचे छुपा दिया जाता है।

जमीनी हकीकत: गायब छात्र और ड्रॉपआउट का भयावह सच : –जब हम शिक्षा के वास्तविक आंकड़ों और जमीनी हकीकत पर नज़र डालते हैं, तो स्थिति बेहद डरावनी दिखाई देती है। देश के कई राज्यों में यह देखा गया है कि कक्षा 10वीं पास करने के बाद लगभग 40 से 45 प्रतिशत छात्र 12वीं कक्षा तक पहुँच ही नहीं पाते। यह विशाल ड्रॉपआउट रेट यह दर्शाता है कि हमारी माध्यमिक शिक्षा व्यवस्था छात्रों को रोके रखने में पूरी तरह विफल रही है।

आर्थिक तंगी, स्कूलों की दूरी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का अभाव और भविष्य के प्रति असुरक्षा के कारण लाखों बच्चे बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं। लेकिन विडंबना देखिए, किसी भी राजनीतिक दल या नीतिगत बहस में इस 45 प्रतिशत गायब हो जाने वाली युवा पीढ़ी पर कोई गंभीर चिंता या विश्लेषण देखने को नहीं मिलता।

एकल शिक्षक और शून्य छात्र वाले स्कूलों का विरोधाभास :–देश के इंफ्रास्ट्रक्चर का इससे बड़ा मज़ाक क्या हो सकता है कि आज भी हज़ारों स्कूल ऐसे हैं जो एकल शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। एक ही शिक्षक पहली से पाँचवीं कक्षा तक के बच्चों को एक साथ बैठाकर पढ़ा रहा है। वह मध्याह्न भोजन की व्यवस्था संभाले, प्रशासनिक कागजी कार्रवाई करे, या बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे?

दूसरी तरफ एक और विरोधाभासी स्थिति है–कई स्कूल ऐसे हैं जहाँ कागज़ों पर शिक्षक तैनात हैं, वेतन उठ रहा है, लेकिन स्कूल में एक भी छात्र नामांकित नहीं है। यह प्रशासनिक अदूरदर्शिता और संसाधनों के घोर कुप्रबंधन का जीवंत उदाहरण है। जब व्यवस्था इतनी बुनियादी स्तर पर चरमराई हुई हो, तो वहाँ भाषा और पाठ्यक्रम के बड़े–बड़े सिद्धांतों की बातें करना केवल बेमानी लगता है।

इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रशिक्षित शिक्षकों का घोर अभाव : –एक आदर्श शिक्षा व्यवस्था के लिए तीन चीजें अनिवार्य हैं: उपयुक्त बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर), योग्य व प्रशिक्षित शिक्षक और पढ़ने के लिए अनुकूल वातावरण। आज हमारे हज़ारों ग्रामीण और अर्ध–शहरी स्कूलों में पीने का साफ पानी, छात्र–छात्राओं के लिए अलग शौचालय, ब्लैकबोर्ड, प्रयोगशालाएँ और कंप्यूटर जैसी बुनियादी सुविधाएँ तक नहीं हैं।

इससे भी बड़ा संकट शिक्षकों की गुणवत्ता का है। क्या हमारे शिक्षक आधुनिक शिक्षण पद्धतियों में प्रशिक्षित हैं? क्या उन्हें गैर–शैक्षणिक कार्यों (जैसे चुनाव ड्यूटी, जनगणना, राशन प्रबंधन) से मुक्ति मिली है ताकि वे केवल पढ़ाने पर ध्यान दे सकें? जवाब नकारात्मक है। जब बातचीत और विश्लेषण के केंद्र में शिक्षक की ट्रेनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी बुनियादी जरूरतें होंगी ही नहीं, तो हम एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कैसे कर सकते हैं?

मूल प्रश्न: जब पढ़ाने वाले ही नहीं, तो भाषा का क्या करेंगे? :– यहाँ पर सबसे बड़ा और तार्किक प्रश्न यही उठता है कि जब स्कूलों में बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर ही नहीं होगा, जब कक्षा में पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षक ही नहीं होंगे, और जब बेंचों पर बैठने के लिए छात्र ही नहीं बचेंगे–तो हम एक भाषा, दो भाषा या तीन भाषा की नीतियों को लेकर क्या करेंगे? नीतियों का यह पुलिंदा किस काम आएगा जब उसे जमीन पर उतारने वाले हाथ ही गायब हैं?

बिना शिक्षक के चाहे आप संस्कृत पढ़ाइए, अंग्रेजी पढ़ाइए या मराठी, परिणाम शून्य ही रहेगा। यह पूरी कवायद वैसी ही है जैसे किसी जर्जर और ढहती हुई इमारत की नींव को मजबूत करने के बजाय उसकी दीवारों पर पेंट का रंग तय करने के लिए आपस में लड़ना।

विचारधाराओं को थोपने का खेल और राजनीतिकरण : –वर्तमान परिदृश्य को देखकर स्पष्ट रूप से महसूस होता है कि शिक्षा का केवल राजनीतिकरण हो रहा है। हर बदलती हुई सरकार और राजनीतिक शक्ति शिक्षा को अपनी व्यक्तिगत या दलीय विचारधारा को थोपने का माध्यम समझती है। पाठ्यक्रम में बदलाव बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ और इतिहास को अपने चश्मे से दिखाने के लिए किए जाते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को कैसे सोचना है यह सिखाना होना चाहिए, न कि क्या सोचना है यह तय करना। जब शिक्षा में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तार्किकता के बजाय राजनीतिक हठधर्मिता हावी हो जाती है, तो समाज का बौद्धिक पतन निश्चित है।

निष्कर्ष और समाधान का मार्ग :–भारत में शिक्षा का वर्तमान स्वरूप अत्यंत चिंताजनक और आत्मघाती मार्ग पर है। यदि हमें सचमुच जनसांख्यिकीय लाभांशका लाभ उठाना है और देश के भविष्य को सुरक्षित करना है, तो हमें शिक्षा को राजनीति के चंगुल से मुक्त करना होगा।

अब समय आ गया है कि:–

1. बजट और प्राथमिकताएँ बदलें: विज्ञापनों और प्रतीकात्मक बहसों के बजाय सरकारी बजट का एक बड़ा हिस्सा स्कूलों के भौतिक बुनियादी ढांचे को सुधारने और आधुनिक प्रयोगशालाएँ बनाने में लगे।
2. शिक्षकों की जवाबदेही और सम्मान: हज़ारों रिक्त पदों पर तत्काल नियमित और प्रशिक्षित शिक्षकों की भर्ती हो। उन्हें गैर–शैक्षणिक कार्यों से पूरी तरह मुक्त किया जाए।
3. ड्रॉपआउट पर ऑडिट: कक्षा 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़ने वाले 40–45 प्रतिशत बच्चों के कारणों का जिला स्तर पर विश्लेषण हो और उन्हें कौशल विकास से जोड़ा जाए।
4. नीतिगत स्थिरता: शिक्षा नीतियों को दलीय राजनीति से ऊपर उठकर एक राष्ट्रीय सहमति के तहत दीर्घकालिक रूप से लागू किया जाना चाहिए।

जब तक हम इन बुनियादी वास्तविकताओं पर बातचीत, विश्लेषण और ठोस कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक भाषाओं और प्रतीकों की यह बहस केवल एक खोखली राजनीतिक औपचारिकता बनकर रह जाएगी। देश को साक्षर और सशक्त बनाने के लिए हमें सबसे पहले स्कूल, शिक्षक और छात्र को बचाना होगा।

–प्रोफेसर अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय

भीलवाड़ा में "गौ सम्मान आव्हान अभियान" को मिल रहा व्यापक जनसमर्थन

- **अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा जा रहा है**

भीलवाड़ा, (निसं)। गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर देशभर में चल रहे गौ सम्मान आव्हान अभियान को भीलवाड़ा जिले में लगातार व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। अभियान के तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पदाधिकारियों द्वारा व्यापक जनसंपर्क कर अधिक से अधिक लोगों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा जा रहा है।

इसी के तहत शनिवार को जिला प्रचारक संतलाल महाराज (कोटड़ी), गौ सेवा प्रभारी विश्वनाथ प्रताप सिंह, जिला गौ प्रचार प्रभारी नंदकिशोर तेली, जिला प्रभारी जगदीश तेली, गौ सेवक हरीश श्रोत्रिय एवं उद्घोष प्रभारी बाबूलाल टाक ने सवाईपुर, बीगोद, त्रिवेणी, मांडलगढ़ एवं बिजौलियां क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों, गौसेवकों, गौशालाओं के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से संपर्क किया। उन्होंने गौ संरक्षण, गौ संवर्धन एवं भारतीय संस्कृति में गौमाता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अभियान से जुड़ने और अधिकाधिक हस्ताक्षर करवाने का आव्हान किया।

त्रिवेणी चौराहे पर गौ सेवक गोवर्धन वैष्णव, रोशन सुवालका, घीसू पुरी, मुकेश जोशी, कृष्ण गोपाल ब्रह्मभट्ट, हेमंत चंदनानी, राकेश सुवालका, गुमान सिंह, मिट्ठूलाल सेन, रोहित शर्मा एवं बनवारी लाल मेवाड़ा आदि मौजूद थे। जिले के सभी स्थानों पर ग्रामीणों, गौसेवकों एवं गौशाला समितियों ने अभियान का समर्थन करते हुए अपने–अपने गांव, वार्ड एवं मोहल्लों में व्यापक स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाने तथा अधिकाधिक लोगों को जोड़ने का भरोसा दिलाया। अभियान से जुड़े जिले के सभी गौ भक्तों एवं नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपने क्षेत्र के लिए हस्ताक्षर पत्र प्राप्त कर अधिक से अधिक लोगों के हस्ताक्षर करवाकर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। अभियान के तहत आगामी 27 जुलाई को देशभर के सभी जिला मुख्यालयों पर एक ही समय में जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र सौंपे जाएंगे। अभियान का मुख्य उद्देश्य "गौ सम्मान–राष्ट्र सम्मान" तथा "गौ रक्षा– संस्कृति की रक्षा" है। ओम मालू, जयकिशन मित्तल, भागचंद बाहेती, हरिओम तेली खेड़ा पुष्पा अग्रवाल, कृष्णा जैन, उषा अग्रवाल और तरुणा शर्मा सहित सदस्य उपस्थित थे।

अब बिना एफएसएसएआई लाइसेंस नहीं बनेगा शादी-ब्याह, धार्मिक कार्यक्रम का खाना

- **झुंझुनूं में स्वास्थ्य विभाग की सख्ती, बिना पंजीकरण हलवाई-कैटरर्स पर होगी कार्रवाई, आयोजकों को भी जिम्मेदारी निभानी होगी**
- **नई व्यवस्था के तहत अब शादी, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक भोज और अन्य बड़े आयोजनों के आयोजकों को कार्यक्रम से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचना देनी होगी**

झुंझुनूं, (निसं)। शादी–विवाह, मेले, धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक भोज में परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता और आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जिले में बड़ी पहल की है। अब भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) का वैध लाइसेंस या पंजीकरण नहीं होने पर कोई भी हलवाई, वेंडर या कैटरिंग व्यवसायी भोजन तैयार नहीं कर सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम–2006 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही आयोजनकर्ताओं की जिम्मेदारी भी तय कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार जिले में खानपान का व्यवसाय करने वाले सभी हलवाई, वेंडर और कैटरिंग संचालकों के पास एफएसएसएआई का वैध लाइसेंस अथवा पंजीकरण होना अनिवार्य होगा। बिना पंजीकरण खाद्य सामग्री तैयार करना या परोसना कानून का उल्लंघन माना जाएगा। नई व्यवस्था के तहत अब शादी, धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक भोज और अन्य बड़े आयोजनों के आयोजकों को भी कार्यक्रम से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग को आयोजन की सूचना देनी होगी। साथ ही संबंधित हलवाई या कैटरर का पूरा विवरण भी उपलब्ध कराना होगा, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विभाग निगरानी और निरीक्षण कर सके। खाद्य सुरक्षा अधिकारी किसी भी समय आयोजन स्थल पर पहुंचकर भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों की जांच करेंगे। यदि मौके पर नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित कैटरर के साथ–साथ आयोजकों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। स्वास्थ्य विभाग जल्द ही जिलेभर में विशेष वेरिफिकेशन ड्राइव शुरू करेगा। अभियान के दौरान सभी हलवाइयों, वेंडरों और कैटरिंग व्यवसायियों के लाइसेंस, पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच की जाएगी। बिना लाइसेंस संचालन करने वाले तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. छोटेलाल गुर्जर ने बताया कि बड़े आयोजनों में भोजन की गुणवत्ता को लेकर समय–समय पर शिकायतें प्राप्त होती रही हैं, जिससे फूड पॉइजनिंग जैसी घटनाएं सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना, मिलावट और लापरवाही पर प्रभावी अंकुश लगाना तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना है। स्वास्थ्य विभाग ने सभी हलवाई, वेंडर, कैटरिंग संचालकों और आयोजनकर्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित नियमों का पालन करें, ताकि जिले में सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

राशिफल रविवार 19 जुलाई, 2026

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 6:12 तक, परिद्य योग सायं 7:23 तक, कौलव करण दिन 3:36 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–वृष, बुध–मिथुन, गुरू–कर्क, शुक्र–सिंह, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। रवियोग सायं 6:12 तक है। आज अमृत सिद्धि योग सायं 6:12 से सूर्योदय तक है। आज कुमार षष्ठि व्रत, कसुम्बा षष्ठि, कर्दम षष्ठि, श्री महावीर स्वामी गर्ग कल्याणक (जैन), और साईं टेऊंराम जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:29 से 9:10 तक, लाभ–अमृत 9:11 से 12:33 तक, शुभ 2:14 से 3:55 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 7:18

मेष

घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
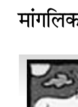
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मिथुन

घर–परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

कर्क
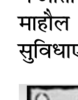
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये–पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यक्तिगत परेशानियां अभी बनी रहेगी।

कन्या
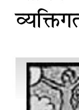
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

तुला
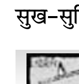
आवश्यक कार्यों के कारण भागदौड़ और मानसिक तनाव बना रहेगा। आज अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक
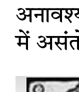
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

मकर

परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता अभी बनी रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मीन
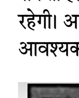
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान में चल रही परेशानी दूर हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 18 संख्याः 82 प्रभात चूरू, रविवार 19 जुलाई, 2026 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

सफेद चादरों की ओट में वांगचुक को उठा ले गई दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस नहीं चाहती थी कि उसकी कार्यवाही का कोई टीवी कवरेज हो या कोई फोटो खिंचे

- सूत्रों ने कहा, एक दिन पहले ही नियुक्त हुए दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार को पहला टास्क यही सौंपा गया था कि वांगचुक को अस्पताल ले जाया जाए और भोजन दिया जाए, चाहे इसमें जबर्दस्ती ही क्यों ना करनी पड़े।
- हालांकि सोनम ने अस्पताल में ट्यूब्स के जरिए तरल पदार्थ लेने से इन्कार कर दिया है।
- सोनम वांगचुक 20 दिन से अनशनरत हैं पर अभी तक सरकार ने इस पर कोई प्रतिक्रिया या चिंता नहीं जताई है।
- 20 जुलाई को संसद का मानसून सत्र शुरु हो रहा है, सोनम ने युवा वर्ग व छात्रों से संसद मार्च में शामिल होने की अपील की है सरकार ने भी इस मार्च को रोकने के लिए कमर कस ली है।
- आगामी संसद सत्र में सोनम वांगचुक और पेपर लीक के मुद्दे पर भारी हंगामा होने की संभावना है।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। लोकतंत्र के लिए शर्मनाक और बड़ा झटका माने जा रहे घटनाक्रम में दिल्ली पुलिस जंतर-मंतर पहुंची और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को जबरन उठाकर अस्पताल ले गई, जिससे उनका अनशन समाप्त कराया जा सके।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस अपने साथ सफेद चादरें लेकर पहुंची थी, ताकि कार्रवाई के दौरान तस्वीरें न ली जा सकें। पुलिसकर्मियों ने सफेद चादरों की ओट बनाली और, वांगचुक के विरोध के बावजूद, उन्हें जबरन उठाकर वहां से ले गए।

वहां मौजूद सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने इसका भारी विरोध किया, लेकिन सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मियों ने अपनी कार्यवाही जारी रखी और वांगचुक को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया।

बताया गया कि इससे एक शाम पहले ही डॉक्टरों ने कहा था कि वांगचुक के सभी महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संकेत (वाइटल्स) स्थिर हैं और उनकी स्थिति अच्छी है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने घोषणा की है कि आंदोलन जारी रहेगा और अब वे स्वयं शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होने तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

एक दिन पहले ही दिल्ली के नए पुलिस आयुक्त की नियुक्ति हुई थी और उनका पहला बड़ा कदम यह सुनिश्चित करना था कि छात्रों और जैन ज़ी के आक्रोश तथा विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बन चुके सोनम वांगचुक को धरना स्थल से हटाकर अस्पताल ले जाया जाए तथा उनकी जान बचाने के नाम पर उन्हें जबरन भोजन कराया जाए। 20 दिनों से जारी इस भूख हड़ताल के दौरान सरकार पूरी तरह असंवेदनशील और निष्क्रिय बनी रही है, न तो कोई मंत्री और न ही सरकार का कोई प्रतिनिधि वांगचुक या प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने पहुंचा। यदि वांगचुक के साथ कोई अनहोनी हो जाती, तो पूरे देश में ऐसा जनाक्रोश भड़क सकता था, जिसे सरकार के लिए नियंत्रित करना बेहद कठिन होगा।

20 जुलाई से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी और देशभर से हजारों युवा संसद तक मार्च निकालने की तैयारी कर रहे हैं। उनका उद्देश्य शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान पर इस्तीफे के लिए दबाव बनाना है। क्योंकि उनके कार्यकाल में बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाएं हुई हैं, लेकिन न तो उन्होंने और न ही सरकार के किसी अन्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमरनाथ यात्रा स्थगित

श्रीनगर, 18 जुलाई। मौसम विभाग द्वारा खराब मौसम की चेतावनी जारी किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने एहतियातन बड़ा कदम उठाया है। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए वार्षिक श्री अमरनाथ यात्रा को 19 जुलाई, 2026 से दोनों मार्गों पहलगाम और बालटाल से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है।

कश्मीर के संभागीय आयुक्त अंशुल गर्ग ने शनिवार को इस फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले कुछ दिनों में भारी बारिश, भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने की आशंका जताई है। इस वजह से रविवार, 19 जुलाई से बालटाल और नुनवान/चंदनवाड़ी (पहलगाम) दोनों ही बेस कैंपों से किसी भी श्रद्धालु को पवित्र गुफा की तरफ आगे बढ़ ने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

- मौसम विभाग ने भारी वर्षा, भूस्खलन व अचानक बाढ़ की चेतावनी दी है।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, यह निलंबन पूरी तरह से एक एहतियाती कदम है ताकि पहाड़ी रास्तों पर श्रद्धालुओं को किसी भी तरह के मौसम जनित खतरे का सामना न करना पड़े। मौसम साफ होने और पूरे यात्रा मार्ग की सुरक्षा की व्यापक समीक्षा करने के बाद ही यात्रा दोबारा बहाल करने पर फैसला लिया जाएगा। यात्रा दोबारा शुरू होने के संबंध में जल्द ही ताजा अपडेट जारी किए जाएंगे। प्रशासन ने सभी तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे मौसम के मिजाज को देखते हुए आधिकारिक दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग दें।

अरब देश ईरानी हमलों के खिलाफ रुसी एयर डिफेंस सिस्टम लगाने की तैयारी में हैं

क्योंकि अमेरिका के साथ शत्रुता के चलते ईरान अरब देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों व अमेरिकन डिफेंस सिस्टम को निशाना बना रहा है

- अरब देशों के अनुसार, ईरान की रुस से गहरी मित्रता है और अगर अरब देशों में रुस का एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम लगाया गया तो ईरान शायद हमला न करे।
- अरब देशों पर ईरान के हमले से मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ा है। प्रारंभ से ही अरब देशों व ईरान के बीच तनाव रहा है, इसका कारण है कि ईरान खुद को पर्शियन मूल का मानता है और अरबों को खुद से निम्न स्तर पर रखता है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। ईरान और फ़ारस की खाड़ी के उसके पड़ोसी देशों के लिए यह समय "म्युचुअली एश्योर्ड डिस्ट्रक्शन" (पारस्परिक सुनिश्चित विनाश) का समय बन गया है। इसका परिणाम यह है कि ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच पहले से मौजूद अविश्वास अब अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है।

इन बदलते हालात में, फ़ारस की खाड़ी के अरब देश अमेरिका से अलग अपनी खुद की स्वतंत्र सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना चाहते हैं। ये देश ईरान के हवाई हमलों से बचाव के लिए रूस की एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना चाहते हैं।

खाड़ी के अरब देश तुर्किये से ये रक्षा प्रणालियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि तुर्किये के पास ये प्रणालियां मौजूद हैं। लेकिन रूस की मंजूरी के बिना तुर्किये इन्हें किसी दूसरे देश को नहीं बेच सकता। यही सबसे बड़ी समस्या है।

रूस ईरान के प्रति सहानुभूति रखता है, क्योंकि ईरान अमेरिका से लड़ रहा है, जो नाटो के नेतृत्व वाले पश्चिमी गठबंधन का हिस्सा है। इसलिए रूस के लिए यह फैसला मुश्किल है। वहीं दूसरी ओर, रूस के लिए यह धन जुटाने तथा और अधिक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल करने का एक बहुत अच्छा अवसर भी है।

जैसे-जैसे डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान और उसकी रणनीतिक संपत्तियों पर अपने हमले तेज किए हैं, ईरान अपना गुस्सा फ़ारस की खाड़ी के अरब देशों पर निकाल रहा है। ईरान जवाबी कार्यवाही में बहरीन, क़तर, कुवैत और सऊदी अरब और अब जॉर्डन और सीरिया पर भी हमले तेज कर रहा है।

ईरान ने कहा है कि वह पड़ोसी देशों पर अपनी बमबारी और तेज करेगा, क्योंकि अमेरिकी मुख्य भूमि उसके मिसाइलों की पहुँच से बहुत दूर है। इन देशों में अमेरिका की महत्वपूर्ण सैन्य सुविधाएं मौजूद हैं, जिनका इस्तेमाल ईरानी ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के लिए किया गया है।

पिछले दो दिनों में कुवैत ने अपने बिजली उत्पादन संयंत्रों और समुद्री पानी को पीने योग्य बनाने वाले कुछ महत्वपूर्ण संयंत्रों को भारी नुकसान पहुंचने की जानकारी दी है। इससे ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच गंभीर तनाव पैदा हो गया है, जिसका असर दूर-दराज़ के क्षेत्रों तक फैल रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने पहला प्राइवेट रॉकेट, विक्रम- प्रथम लॉंच किया

यह रॉकेट हैदराबाद के स्टार्ट अप स्कायरुट एयरोस्पेस ने बनाया है

- यह रॉकेट लो अर्थ ऑर्बिट में छोटे उपग्रह स्थापित करने के लिए विकसित किया गया है और 18 जुलाई को श्री हरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सैंटर से इसे अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ते हुए देश के निजी तौर पर विकसित पहले ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण कर दिया है। हैदराबाद स्थित स्टार्टअप "स्कायरूट एयरोस्पेस" द्वारा विकसित इस रॉकेट का प्रक्षेपण 18 जुलाई को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से मिशन आगमन के तहत किया गया।

इस प्रक्षेपण के साथ भारत की एक निजी कंपनी ने पहली बार ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल बाजार में प्रवेश किया है, जिस पर अब तक मुख्य रूप से सरकारी अंतरिक्ष अभियानों का वर्चस्व रहा है। विक्रम-1 "लो अर्थ ऑबिट" (एल ई ओ) को निम्न पृथ्वी कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट-एलईओ) में छोटे उपग्रह स्थापित करने के लिए विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य तेज़ तथा अधिक लचीली वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाएं उपलब्ध कराना है।

स्कायरूट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक पवन कुमार चंदना ने बताया कि इस मिशन का नाम आगमन इसलिए रखा गया क्योंकि कंपनी परीक्षण उड़ानों से आगे बढ़कर अब वाणिज्यिक ऑर्बिटल प्रक्षेपण के चरण में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने कहा, "इससे पहले हमने मिशन प्रारंभ के तहत "विक्रम-एस" का प्रक्षेपण किया था। अब विक्रम-1 के प्रक्षेपण को मिशन आगमन नाम दिया गया है।" विक्रम-1 को छोटे उपग्रहों को निचली पृथ्वी (लो अर्थ ऑर्बिट) कक्षा में स्थापित करने के लिए डिजाइन किया गया है। वर्तमान में इसकी पेलोड क्षमता 350 किलोग्राम है, जिसे भविष्य के अभियानों में बढ़ाकर 500 किलोग्राम करने की योजना है।

चंदना ने कहा, "विक्रम-1 की अंतिम पेलोड क्षमता 500 किलोग्राम होगी, लेकिन फिलहाल इसे 350 किलोग्राम पेलोड के साथ प्रक्षेपित किया जा रहा है।" यह रॉकेट निम्न पृथ्वी कक्षा में 350 किलोग्राम तथा सूर्य-समकालिक कक्षा (सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट) में 260 किलोग्राम तक के उपग्रह स्थापित कर सकता है। यह पृथ्वी से लगभग 500 किलोमीटर की ऊंचाई तक उपग्रह पहुंचाने में सक्षम है।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ. विक्रम साराभाई का नाम रखा गया है, इसकी इस रॉकेट की ऊंचाई लगभग 20 मीटर और वजन करीब 40 टन है।

चंदना ने बताया, "यह रॉकेट 40 टन वजनी और 20 मीटर ऊंचा है, जो लगभग सात मंजिला इमारत के बराबर है। यह उपग्रहों को 8 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से अंतरिक्ष में पहुंचाने में सक्षम है।" स्काईरूट के अनुसार, विक्रम-1 का व्यास 1.7 मीटर है और इसकी थ्रस्ट क्षमता 1,200

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले साल से मिलेंगे प्लास्टिक के नोट

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारत में पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट चलन में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। फिलहाल दस व बीस रुपये के प्लास्टिक नोट बाजार में लाए जाएंगे। इसमें सुरक्षा के उन्हीं उन्नत नियमों का पालन किया जाएगा जो कागज के नोट छापने में अपनाए जाते हैं। अगले साल यह नोट बाजार में आ सकते हैं।

रिजर्व बैंक ने पॉलीमर शीट आपूर्ति के लिए निजी कंपनियों को भी आमंत्रित किया है। शुरुआती चरण सफल रहा तो बड़े नोट भी चरणबद्ध तरीके से लाए जाएंगे। इन पॉलीमर नोटों के लिए डिजाइन, आकार व छपाई उसी तरह होगी जैसे कागज के नोट पर होगी। फर्जीवाड़ा रोकने के लिए इन नोटों में विशेष तकनीक अपनाई जाएगी। वर्ष 2012 में भारत सरकार ने मैसूर, जयपुर, भुवनेश्वर और शिमला समेत कुछ शहरों में 10 रुपये के एक अरब पॉलीमर नोटों के परीक्षण को मंजूरी दी थी।

- रिज़र्व बैंक ने शुरुआत में दस व बीस रु. के प्लास्टिक नोट चलाने का निर्णय लिया है।

एनडीए में आना है तो पहले सुनेत्रा पवार की एनसीपी में विलय करना होगा

सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने शरद पवार के सामने एनडीए में शामिल होने के लिए शर्त रखी है

- भाजपा शरद पवार की एनसीपी को पृथक इकाई के रुप में एनडीए में लेना नहीं चाहती है। क्योंकि भाजपा को भय है कि अगर वे स्वतंत्र इकाई के रुप में आए तो भविष्य में चुनौती पैदा कर सकते हैं। भाजपा ने ऑफर दिया है कि अगर दोनों गुट एक हो गए तो दोनों से एक-एक नेता को केन्द्र सरकार में मंत्री बनाया जाएगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चाहती है कि शरद पवार के नेतृत्व वाला एनसीपी (एसपी) गुट, एनडीए में शामिल होने से पहले सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी गुट के साथ फिर से एक हो जाए। प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर एनसीपी (एसपी) के नरम रुख के संकेत मिलने के बाद इस दिशा में बातचीत ने गति पकड़ ली है।

महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर बड़े बदलाव की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। पिछले एक सप्ताह से इस बात की चर्चाएं तेज हैं कि अनुभवी, और अप्रत्याशित राजनीति के लिए चर्चित शरद पवार ने भाजपा के साथ संपर्क साधने के संकेत दिए हैं।

सूत्रों ने कहा कि भाजपा नेतृत्व एनसीपी (एसपी) को अलग इकाई के रूप में एनडीए में शामिल करने के पक्ष में नहीं है। भाजपा चाहती है कि पहले उसका विलय सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी में हो और उसके बाद ही वह एनडीए का हिस्सा बने। भाजपा ने यह संभावना भी खारिज कर दी है कि एनसीपी (एसपी) का सीधा विलय भाजपा में किया जाएगा।

भाजपा ने दोनों गुटों के लिए एक प्रस्ताव भी रखा है। यदि दोनों एनसीपी गुटों का एकीकरण होता है, तो भविष्य में दोनों गुटों से एक-एक नेता को केन्द्र सरकार में मंत्री पद दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। शिवसेना और एनसीपी में हुये विभाजन के बाद, भाजपा महाराष्ट्र की सबसे प्रभावशाली राजनीतिक ताकत बनकर उभरी है। पार्टी को आशंका है कि यदि एनसीपी (एसपी) को अलग दल के रूप में एनडीए में शामिल किया गया, तो मौजूदा सहयोगी दलों में असुरक्षा और अस्थिरता की स्थिति पैदा हो सकती है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब एनसीपी (एसपी) ने संकेत दिए हैं कि वह परिसीमन विधेयक पर अपेक्षाकृत नरम रुख अपना सकती है। केन्द्र सरकार ने इस विधेयक को महिला आरक्षण कानून के क्रियान्वयन से जोड़ रखा है। प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक में लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है।

जहाँ तक भाजपा का प्रश्न है, एनसीपी (एसपी) का एनडीए में शामिल होना संसद में उसे दो-तिहाई बहुमत के और करीब ले जाएगा। संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत आवश्यक होता है। यही वजह थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान परिसीमन विधेयक पारित नहीं करा सकी थी।

लेकिन उसके बाद, संसद का गणित बदल चुका है। तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसद एक अपेक्षाकृत कम चर्चित दल नेशनलिस्ट सिटीजन्सपार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो चुके हैं और उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए का समर्थन किया है। वहीं, उद्धव ठाकरे गुट के 6 सांसद भी एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं।

वर्तमान में एनसीपी (एसपी) के लोकसभा में 8 सांसद और राज्यसभा में 1 सांसद हैं।

लेकिन एनसीपी (एसपी) ने अभी तक परिसीमन विधेयक के समर्थन में कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है। इस सप्ताह की शुरुआत में बारामती सांसद सुप्रिया सुले ने कहा था कि यदि प्रस्तावित परिसीमन सभी राज्यों में समान रूप से 50 प्रतिशत सीट वृद्धि के आधार पर किया जाता है, तो इसका विरोध करने का "कोई खास कारण नहीं" रहेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या होगा अगर सोनम वांगचुक के आमरण अनशन का दुखद अंत हो?

अगर आमरण अनशन में सोनम वांगचुक की मृत्यु हो गई तो इसके नतीजे जनभावना व राजनैतिक प्रतिक्रिया पर निर्भर होंगे

- अगर यह आंदोलन शांतिपूर्ण रहा तो उनकी मृत्यु से शांति समर्थक एनजीओ व राजनैतिक समूह एकजुट होकर बड़ी राजनैतिक क्रांति भी ला सकते हैं, जिसे हैंडल करना सरकार के लिए आसान नहीं होगा।
- वांगचुक की मृत्यु से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि भी खराब हो सकती है क्योंकि उनकी मृत्यु को अन्तर्राष्ट्रीय मीडिया, वैश्विक पर्यावरण संगठन भी प्रमुखता से लेंगे और शांतिपूर्ण आंदोलनों से निपटने की भारत सरकार की नीति की भारी आलोचना हो सकती है।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 18 जुलाई। हर गुज़रते घंटे के साथ हालात और गंभीर होते जा रहे हैं। चूंकि सोनम वांगचुक की लम्बे समय से चली आ रही भूख हड़ताल उनके स्वास्थ्य पर लगातार गहरा असर डाल रही है और इससे भारत एक ऐसे राजनीतिक मोड़ के करीब पहुंच सकता है, जो आने वाले समय की दिशा तय कर सकता है। उनकी मृत्यु केवल एक आंदोलन का अंत नहीं होगी, बल्कि यह नागरिक स्वतंत्रता, सरकार की जवाबदेही और लद्दाख के अनसुलझे भविष्य पर देशव्यापी बहस को जन्म दे सकती है।

आज की स्थिति के अनुसार, सोनम वांगचुक की हालत गंभीर बताई जा रही है। लंबे समय से जारी भूख हड़ताल के बाद उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबरों के मुताबिक, डॉक्टरों ने गंभीर निर्जलीकरण (डिहाइड्रेशन), शरीर में मैटाबॉलिज्म संबंधी गड़बड़ियों और किडनी में संभावित जटिलताओं की चेतावनी दी है। यह भी बताया गया है कि वांगचुक ने आई वी के जरिए तरल पदार्थ और अन्य उपचार लेने से इनकार कर दिया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उनके स्वास्थ्य की लगातार चिकित्सकीय निगरानी के निर्देश दिए हैं।

यदि तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद सोनम वांगचुक की मृत्यु हो जाती है, तो इसके व्यापक और गंभीर राजनीतिक तथा सामाजिक परिणाम सामने आ सकते हैं। हालांकि घटनाक्रम किस दिशा में जाएगा, यह काफी हद तक सरकार की प्रतिक्रिया और जनता की भावना पर निर्भर करेगा। उनकी मृत्यु के बाद लगभग निश्चित रूप से विपक्षी दल, नागरिक समाज संगठन और अनेक सार्वजनिक हस्तियां केन्द्र सरकार की तीखी आलोचना करेंगी। यह सवाल उठेगा कि क्या सरकार ने उनका अनशन समाप्त कराने के लिए पर्याप्त प्रयास किए और समय रहते उचित चिकित्सा उपलब्ध कराने में कोई कमी तो नहीं रही। भले ही प्रशासन ने कानून के दायरे में रहकर काम किया हो, राजनीतिक बहस बेहद तीखी होने की संभावना है। सोनम वांगचुक को केवल लद्दाख ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा के क्षेत्र में उनके नवाचारों और फिल्म "थ्री इडियट्स" के लोकप्रिय किरदार से जुड़ी उनकी पहचान के कारण व्यापक सम्मान प्राप्त है। ऐसे में उनकी मृत्यु लद्दाख, दिल्ली, देशभर के विश्वविद्यालय परिसरों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठनों के बीच भारी विरोध प्रदर्शनों को जन्म दे सकती है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया और वैश्विक पर्यावरण संगठनों के द्वारा भी इसे व्यापक रूप से प्रमुखता और कवरेज देने की संभावना है। भूख हड़ताल एक गंभीर नैतिक प्रतीकवाद है। ऐसे में यह मामला मानवाधिकारों और लोकतांत्रिक विरोध के अधिकार से जुड़ा अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है तथा भारत में शांतिपूर्ण असहमति से निपटने के तरीके पर फिर से विश्व की नजरें टिक सकती हैं।

इतिहास बताता है कि कई बार किसी प्रमुख आंदोलनकारी की मृत्यु किसी आंदोलन को कमजोर करने के बजाय और अधिक मजबूत बना देती है। जनभावना के आधार पर सोनम वांगचुक उन मुद्दों के प्रतीक या शहीद के रूप में उभर सकते हैं, जिनके लिए वे संघर्ष कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए उनकी मांगों को नज़रअंदाज़ करना और कठिन हो सकता है। ऐसी परिस्थिति में न्यायिक जांच की मांग हो सकती है या जनहित याचिकाएं दायर हो सकती हैं और स्वतंत्र जांच की मांग, संसद में विस्तृत बहस, पुलिस और अस्पताल प्रशासन की भूमिका की समीक्षा तथा लंबे समय तक चलने वाली भूख हड़तालों से निपटने के सरकारी प्रोटोकॉल की पुनर्समीक्षा की मांग भी की जा सकती है।

यदि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण बना रहता है, तो उनकी मृत्यु विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक समूहों को उनकी मांगों के समर्थन में एकजुट कर सकती है। वहीं दूसरी ओर, किसी भी प्रकार की हिंसा या अशांति की आशंका को देखते हुए राजनीतिक दलों और सामुदायिक नेताओं द्वारा संयम और शांति बनाए रखने की अपील भी की जा सकती है। क्या यह घटनाक्रम अनिवार्य रूप से पूरे देश में बड़ी उथल-पुथल का कारण बनेगा? इसका उत्तर है, ऐसा होना जरूरी नहीं है। भारत में पहले भी अनशन और आंदोलनों के दौरान लोगों की मृत्यु हुई है और हर मामले का राजनीतिक प्रभाव अलग-अलग रहा है। इसका दायरा कई कारकों पर निर्भर करेगा-मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, क्या उन्होंने अंत तक उपचार लेने से इनकार किया, प्रशासन ने चिकित्सा संबंधी स्थिति को कितनी पारदर्शिता से संभाला, राजनीतिक दलों और नागरिक समाज की प्रतिक्रिया कैसी रही तथा आम जनता ने किसकी जिम्मेदारी मानी।

फिलहाल यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि सोनम वांगचुक जीवित हैं, चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनके स्वास्थ्य पर लगातार नज़र रखी जा रही है। यद्यिप उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है, लेकिन परिणाम का पूर्वानुमान लगाना संभव नहीं है। इसलिए उनकी संभावित मृत्यु को लेकर किसी भी प्रकार की अटकलों को अत्यंत सावधानी के साथ देखा जाना चाहिए।

अवतारसिंह हत्याकांड मामले में भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सहित नौ को उम्रकैद

वारदात 10 जून 2016 को अलवर जिले के नौगावां थाना क्षेत्र के पाटा गांव में घटित हुई थी, मृतक अवतार सिंह, मुख्य आरोपी और पूर्व भाजपा नेता इंद्रजीतसिंह का सगा भांजा था

- सरपंच चुनाव में अवतार सिंह का परिवार जिस स्थानीय प्रत्याशी का समर्थन कर रहा था, वह चुनाव जीत गया था, जिससे इंद्रजीत सिंह ने अपने ही भांजे से रंजिश पाल ली थी
- 10 साल बाद आए अदालत के फैसले ने यह साफ कर दिया है कि अपराध करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, वह कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता

अलवर, (निसं)। अलवर के जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश हरेंद्र सिंह ने वर्ष 2016 के बहुचर्चित अवतार सिंह हत्याकांड में एक ऐतिहासिक और कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (पाटा) समेत नौ मुख्य आरोपियों को हत्या का दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सख्त सजा सुनाई है। इस मामले में कोर्ट ने सभी दोषियों पर आर्थिक दंड भी लगाया है। 10 साल से अधिक समय तक चली इस लंबी कानूनी लड़ाई के बाद आए अदालत के इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि अपराध करने वाला व्यक्ति चाहे कितना भी रसूखदार क्यों न हो, वह कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकता। इस फैसले के बाद से ही कोर्ट परिसर के बाहर और पाटा गांव में सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए ताकि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति न बिगड़े।

न्यायाधीश हरेंद्र सिंह ने मामले की गंभीरता और अपराध की क्रूरता को देखते हुए दोषियों को किसी भी प्रकार की राहत देने से साफ इनकार कर दिया। कोर्ट ने कानून की विभिन्न धाराओं के तहत सभी 9 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है और प्रत्येक दोषी पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि जमा न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। उम्रकैद की सजा पाने वाले अपराधियों में बीजेपी के पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (पाटा), अनूप सिंह, कमलजीत सिंह, गुरवचन सिंह, जसपाल सिंह, कुलवंत सिंह, अमन सिंह, हरविंदर सिंह और विश्वेंद्र सिंह शामिल हैं। सरकारी वकील और पीड़ित पक्ष की ओर से अदालत में इस जघन्य हत्याकांड को साबित करने के लिए बेहद मजबूत तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए गए थे।

न्यायालय ने यह सख्त फैसला अभियोजन पक्ष द्वारा पेश किए गए 22 महत्वपूर्ण गवाहों के बयान, डॉक्टरों की विस्तृत मेडिकल पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटना स्थल से जुटाए गए पुख्ता दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर सुनाया है। बचाव पक्ष के वकीलों ने इंद्रजीत सिंह के राजनीतिक रसूख और पारिवारिक संबंधों का हवाला देकर राहत मांगने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने अपराध की प्रकृति को देखते हुए सभी दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया।

अदालत का ऐतिहासिक फैसला आने के बाद मृतक अवतार सिंह के बेटे अजयपाल ने भावुक होते हुए मीडिया को बताया कि उनके परिवार को पूरे 10 साल और 18 दिन के लंबे व मानसिक तनाव से भरे इंतजार के बाद आज आखिरकार न्याय मिला है। उन्होंने न्यायपालिका के प्रति अपना गहरा आभार व्यक्त किया।

हालांकि, कोर्ट परिसर में एक बेहद अजीब और चौंकाने वाला दृश्य भी देखने को मिला। सजा का एलान होने के बाद भी मुख्य आरोपी इंद्रजीत सिंह पाटा और अन्य दोषियों के चेहरों पर अपने किए का कोई पछतावा या शिकन नहीं दिखाई दी। जेल वैन में बैठते समय भी आरोपी पुलिस के सामने हंसते हुए और अपनी मूंछों पर ताव देते हुए नजर आए, जिसकी स्थानीय लोगों और कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों ने कड़ी निंदा की है।

गौरतलब है कि यह खूनी वारदात 10 जून 2016 की शाम करीब 6:30 बजे अलवर जिले के नौगावां थाना क्षेत्र के पाटा गांव में घटित हुई थी, जिसने पूरे राजस्थान को झकझोर कर रख दिया था। मृतक अवतार सिंह, मुख्य आरोपी और पूर्व भाजपा नेता इंद्रजीत सिंह का सगा भांजा था। पाटा गांव में हुए सरपंच चुनाव को लेकर दोनों परिवारों के बीच गहरा विवाद चल रहा था। अवतार सिंह का परिवार जिस स्थानीय प्रत्याशी का समर्थन कर रहा था, वह चुनाव जीत गया था, जिसके बाद से आरोपी इंद्रजीत सिंह ने अपने ही भांजे से रंजिश पाल ली थी। 10 जून की शाम को आरोपियों ने पूरी प्लानिंग के साथ अवतार सिंह और उनके परिजनों को गांव के रास्ते में घेर लिया। आरोपियों ने उन पर हथौड़े, तलवार, चाकू, लोहे के पाइप, हॉकी और लाठियों से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला किया, जिससे अवतार सिंह लहूलुहान होकर वहीं गिर गए। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद नौगावां थाने में मर्डर का केस दर्ज हुआ था।

बीकानेर में हिस्ट्रीशीटर हरिओम के मकान को जेसीबी से तोड़ा

- प्रशासन और पुलिस की टीम जेसीबी लेकर उसके निवास पर पहुंची और अतिक्रमण कर किए गए निर्माण को ढहा दिया
- हरिओम रामावत गैंगस्टर रोहित से जुड़ा हुआ है, इसके खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला, फिरौती, अपहरण, लूट के 20 मुकदमे पुलिस थानों में दर्ज है

बीकानेर, (निसं)। प्रशासन और पुलिस ने गैंगस्टर रोहित गोदारा जुड़े हिस्ट्रीशीटर हरिओम रामावत के मकान पर जेसीबी चलाकर अतिक्रमण तोड़ा है। फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर के घर नोटिस भी चस्पा किया गया है।

जानकारी के अनुसार गंगाशहर में विनायक नगर निवासी हरिओम रामावत हिस्ट्रीशीटर है और गैंगस्टर रोहित से जुड़ा हुआ है। उसके खिलाफ हत्या, जानलेवा हमला, फिरौती, अपहरण, लूट के 20 मुकदमे पुलिस थानों में दर्ज हैं। वर्तमान में वह कोटगेट पुलिस थाने में दर्ज संगठित अपराध से जुड़े मामले में फरार चल रहा है। प्रशासन और पुलिस की टीम जेसीबी लेकर उसके निवास पर पहुंची और अतिक्रमण कर किए गए निर्माण को ढहा दिया। टीम ने मकान के सामने बनी चौकी, छज्जा, उस पर बने पिलर, बाहर निकली खिड़कियां और अन्य अतिक्रमण तोड़ दिया। उसके नाम नोटिस भी चस्पा किया गया है, जिसमें मकान की दीवारें व अन्य स्थान निर्माण में किए गए अतिक्रमण हो हटाने की चेतावनी दी गई है। प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मकान में मौजूद लोगों को बाहर निकाला और उसके बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इस दौरान सीओ गंगाशहर और बीडीए तहसीलदार आकांक्षा पुलिस जाब्ते के साथ मौजूद रहे।

गौरतलब है कि रोहित गोदारा ने विदेश से बीकानेर के जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना इलाके में रहने वाले एक बड़े ट्रांसपोर्ट कारोबारी को इंटरनेशनल नंबर से कॉल करके 80 लाख रुपये की रंगदारी (फिरौती) मांगी थी। व्यवसायी ने पैसे देने से मना करने पर, रोहित ने स्थानीय स्तर पर दहशत पैदा करने का जिम्मा हरिओम रामावत को सौंपा। हरिओम ने राजस्थान और हरियाणा से हथियार और शूटर (लॉजिस्टिक्स) अरेंज किए। शूटरों ने व्यवसायी के घर और गाड़ी पर सरेआम गोलियां चलाईं और परिवार को धमकी दी।

युवक की संदिग्ध मौत

पावटा, (निसं)। भाबरू थाना क्षेत्र के ग्राम जयसिंहपुरा में शनिवार को 21 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान जितेंद्र सिंह पुत्र बिहारी सिंह (21) निवासी जयसिंहपुरा के रूप में हुई है। घटना से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने भाबरू थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थानाधिकारी प्रदीप कुमार पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

थानाधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मृतक के गले पर निशान पाए गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर एसएफएल टीम को बुलाया गया, जिसने साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए विराटनगर उपजिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया है।

श्रीगंगानगर में अशोक चांडक के घर से तीन करोड़ की नगदी और 50 प्रॉपर्टी के कागजात मिले

- अवैध खनन और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अशोक चांडक के आठ ठिकानों पर ईडी का सर्च, संदिग्ध लेनदेन के रिकॉर्ड भी मिले
- अशोक चांडक की कंपनी महादेव एनक्लेव प्राइवेट लिमिटेड पर बिहार में अवैध बालू खनन में 131 करोड़ के गबन का आरोप है

श्रीगंगानगर, (निसं)। भाजपा नेता और शराब कारोबारी अशोक चांडक के घर से प्रवर्तन निदेशालय की टीम को तीन करोड़ कैश और 50 से ज्यादा प्रॉपर्टी के डॉक्यूमेंट मिले। साथ ही कई संदिग्ध लेनदेन के रिकॉर्ड मिले हैं। ईडी की टीमों ने शुक्रवार सुबह 5 बजे चांडक के 8 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे, देर रात एक बजे तक कार्रवाई चली।

जानकारी के अनुसार, अशोक चांडक की कंपनी महादेव एनक्लेव प्राइवेट लिमिटेड पर बिहार में अवैध बालू खनन में 131 करोड़ के गबन का आरोप है। बिहार खान एवं भू-तत्व विभाग ने कंपनी पर अवैध बालू खनन का केस भी दर्ज कराया है। 21 अगस्त 2025 को दर्ज एफआईआर के आधार पर ईडी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत यह कार्रवाई की। ईडी की टीमों ने श्रीगंगानगर में 4, जयपुर में 1, दिल्ली, पटना और बांका जिले में मिलाकर कुल 8 ठिकानों पर छापे मारे। अशोक चांडक के ससुराल जयपुर में भी ईडी की टीम पहुंची। छापेमारी के दौरान डिजिटल दस्तावेज, लेनदेन के रिकॉर्ड और खनन से जुड़े महत्वपूर्ण कागजात भी जब्त किए गए। अशोक चांडक महादेव सट्टा एप और स्काई एक्सचेंज बैटिंग एप से भी जुड़े हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, ईडी ने हाल ही में महादेव सट्टा एप और स्काई एक्सचेंज बैटिंग एप जुड़े से चेयरमैन विकास गर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। जिसके बाद इन एप से जुड़े सहयोगियों और निवेशकों पर छापेमारी की जा रही है। वहीं, रायपुर की पीएमएलए स्पेशल कोर्ट ने विकास गर्ग को 24 जुलाई तक ईडी की रिमांड पर भेजा है। ईडी का दावा है कि अवैध कमाई को फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट और फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट के जरिए लॉन्ड्रिंग किया गया। इसके बाद इस पैसे का इस्तेमाल लिस्टेड कंपनियों में किया गया और करीब 1,175 करोड़ रुपए में अमेरिकी सॉफ्टवेयर कंपनी ईबीआईएक्स की हिस्सेदारी खरीदी गई। इस पूरे सिलसिले में दुबई, मॉरीशस और अमेरिका के रास्ते पैसे को घुमाया गया। ईडी अब इस बात की जांच कर रही है कि अवैध खनन और सट्टा एप से प्राप्त धन को अशोक चांडक ने कहां-कहां खपाया। छापेमारी में मिले दस्तावेज के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है।

सोनम वांगचुक को अनशन से जबरन उठाना दुर्भाग्यपूर्ण : सचिन पायलट

टोंक में सचिन पायलट ने जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सभा को संबोधित किया।

- यह बेहद आश्चर्यजनक है कि केन्द्र सरकार न तो वांगचुक से बात करने को तैयार है और न ही उनकी मांगें मानने को तैयार है : पायलट
- पायलट ने जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सम्मेलन में शिरकत की

टोंक, (निसं)। दो दिवसीय दौरे पर आये कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व डिप्टी सीएम व टोंक विधायक सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत के दौरान शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए केंद्र सरकार पर हमला बोला। इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि यह बेहद आश्चर्यजनक है कि सरकार न तो वांगचुक से बात करने को तैयार है और न ही उनकी मांगें मानने को तैयार है। उन्होंने कहा कि वांगचुक अपनी मांगों को लेकर 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र के दौरान संसद तक जाना चाहते थे, इसलिए सरकार बौखलाहट में काम कर रही है। जिन मुद्दों को लेकर पूरे देश में आक्रोश है, नौजवान आंदोलित हैं और कांग्रेस पार्टी के साथ राहुल गांधी भी सरकार से जवाब मांग रहे हैं कि शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें। लेकिन इस्तीफा लेने के बजाय सरकार ने अनशन कर रहे व्यक्ति को जबरन उठाकर गिरफ्तार कर लिया। यह सरकार के काम करने के तरीके का एक उदाहरण है। सरकार न संवाद करना चाहती है, न चर्चा करना चाहती है, न मांगों पर ध्यान देना चाहती है और न ही शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेना चाहती है।

सचिन पायलट ने कहा कि भूख हड़ताल पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से चल रही थी, लेकिन सरकार ने उसे जबरन खत्म करने की कोशिश की। इससे स्पष्ट है कि सरकार बैकफुट पर है, बौखलाई हुई है और कहीं न कहीं उसे जनभावनाओं का भी डर है। पायलट ने कहा कि सरकार जनता की मांगें पूरी नहीं करना चाहती और न ही उसने कोई संवाद स्थापित किया। यदि सरकार का कोई प्रतिनिधि वांगचुक से मिलकर बातचीत करता और उनकी मांगों पर चर्चा करता तो समाधान निकल सकता था। समस्या का समाधान करने के बजाय उन्हें गिरफ्तार करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। पायलट ने कहा कि कांग्रेस का रुख पूरी तरह स्पष्ट है, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा होना चाहिए और सरकार को इसमें कोई संकोच नहीं करना चाहिए। पंचायती राज एवं नगर निकाय चुनावों को लेकर पायलट ने कहा कि सरकार चुनाव नहीं कराना चाहती, क्योंकि उसे पता है कि जनादेश उसके खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट भी पहले इस संबंध में टिप्पणी कर चुका है, लेकिन सरकार हर बार कोई न कोई बहाना बना लेती है। इस दौरान सचिन पायलट ने कहा कि जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई है।

सचिन पायलट ने भीम सेना पदाधिकारी अशोक बैरवा के निवास पर पहुंचकर उनकी माताजी शांति देवी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की तथा पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसी प्रकार पायलट ने जिला आदिवासी कांग्रेस द्वारा आयोजित सम्मेलन शहनाई मैरिज गार्डन में मुख्य अतिथि के रूप से पहुंचे, जहां उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आदिवासी समाज के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार रखे। पायलट ने कहा आदिवासी समाज के हितों की रक्षा, उनके अधिकारों और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ हम सभी कार्य करेंगे। इस अवसर पर आदिवासी कांग्रेस के संगठन महासचिव हरगुण बेपर, शिवचरण मीणा संभाग प्रभारी, सऊद सईदी जिला अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, रामविलास चौधरी, डॉ. सुमित गर्ग संगठन सह प्रभारी टोंक, आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष फौजु राम मीणा, हरिप्रसाद बेरवा, पूर्व विधायक कमल बेरवा, मौसमी मीणा, शिवजी राम, कैलाशी देवी, दिनेश चौरसिया, हंसराज फगणा, गुरु लाल, बजरंग लाल, धर्मेंद्र सालोदिया, रामलाल संडीला, हसीन आदि सहित आदिवासी कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जोधपुर में डोडा-पोस्त से भरी कार पकड़ी, तस्कर गिरफ्त में

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर कमिश्नरेट की डांगियावास थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 39 किलोग्राम डोडा-पोस्त और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही ऑल्टो कार जब्त की है। आरोपी बालोतरा जिले का रहने वाला है, जो जोधपुर के ग्रामीण इलाकों में डोडा-पोस्त की सप्लाई करने आ रहा था। डीसीपी पूर्व मनीष चौधरी, एडीसीपी नरेंद्र सिंह देवड़ा, एसीपी अनिल शर्मा की मॉनिटरिंग में टीम ने कार्रवाई ने की।

डांगियावास थानाधिकारी राजूराम काला ने बताया कि जालेली फौजदार सरहद पर गश्त और सघन नाकाबंदी कर रही थी। इसी दौरान एक सफेद रंग की ऑल्टो कार तेज रफ्तार में आती दिखाई दी। पुलिस ने जब कार को रुकने का इशारा किया, तो ड्राइवर ने रफ्तार और बढ़ा दी और भागने का प्रयास किया। लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर कार को पकड़ लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 39 किलो डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने कार और मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी डोली कला, थाना कल्याणपुर जिला बालोतरा निवासी दिनेश पुत्र मोहकमराम विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पुलिस पूछताछ में सामने आया कि दिनेश घर में सबसे बड़ा है और उसके माता-पिता बुजुर्ग हैं। घर में कोई और कमाने वाला नहीं था। जल्द और ज्यादा पैसा कमाने की चाहत में वह इलाके के कुछ मादक पदार्थ तस्करों के संपर्क में आया और उनके साथ मिलकर खुद भी तस्करी के इस काले कारोबार में उतर गया। फिलहाल पुलिस आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि वह यह खेप कहां से लाया था और जोधपुर में किसे सप्लाई करने वाला था।

अपहरण के आरोपी को पकड़ा

कोटा, (निसं)। मानव तस्करी यूनिट एवं बोरखेड़ा पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर बालिका के अपहरण के आरोपी को गिरफ्तार किया है। शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 2 जुलाई को परिवादी द्वारा रिपोर्ट दी गई कि उसकी 16 वर्षीय बेटी जो 15 जून से लापता है। रिपोर्ट में कहा कि 15 जून रात्रि को सब टापरी में सो रहे थे। उस समय उसकी बेटी घर से गायब हो गई। फरियादी ने पड़ोस में रहने वाले एक लड़के भैंरूलाल पर बेटी को बहलाकर भगा ले जाने का शक जताया। इसके बाद गठित टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुये नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर आरोपी भैंरूलाल को गिरफ्तार किया।

"संग्राम शक्ति फाउंडेशन" के सहयोग से जनता विद्यालय छू रहा ऊंचाइयां

संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर के कर्नल वी.पी. सिंह और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुरा खुड़ी (जनता विद्यालय) के प्रधानाचार्य चिरंजीलाल चिरानिया ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

- संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर ने अब आगामी तीन वर्षों में विद्यालय को पूरी तरह हाईटेक और मॉडल स्कूल बनाने का बीड़ा उठाया है
- ग्रामीणों और स्टाफ का मानना है कि फाउंडेशन की इस अनूठी पहल से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे

लक्ष्मणगढ़/सीकर। शिक्षा के स्तर को सुधारने और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रसीदपुरा खुड़ी (जनता विद्यालय), ब्लॉक लक्ष्मणगढ़ में एक सराहनीय पहल की गई है। पिछले छह महीनों से विद्यालय के जीर्णोद्धार में सक्रिय भूमिका निभा रहे संग्राम शक्ति फाउंडेशन, जयपुर ने अब आगामी तीन वर्षों में विद्यालय को पूरी तरह हाईटेक और मॉडल स्कूल बनाने का बीड़ा उठाया है। इस उद्देश्य के लिए फाउंडेशन के कर्नल वी.पी. सिंह ने विद्यालय के शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और आधुनिक सुविधाओं को लेकर एक विस्तृत परिचर्चा की। बैठक के बाद आगामी तीन साल की विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए संग्राम शक्ति फाउंडेशन के कर्नल वी.पी. सिंह और विद्यालय के प्रधानाचार्य चिरंजीलाल चिरानिया ने एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

विगत 6 माह में स्कूल के दिन फिरे :- फाउंडेशन द्वारा पिछले छह महीनों में विद्यालय परिसर की कायाकल्प करने के लिए बड़े स्तर पर कार्य करवाए गए हैं, जिनमें मुख्य रूप से विद्यार्थियों हेतु अत्याधुनिक फर्नीचर, विद्यालय भवन की सम्पूर्ण मरम्मत, आकर्षक रंग-रोगन और छत की वॉटर प्रूफिंग का कार्य, स्टाफ रूम के लिए नए कक्ष का निर्माण, नए सिरे से पूरी बिजली फिटिंग और सुरक्षा के लिहाज से पूरे परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगवाना, विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए स्मार्ट क्लासरूम का पूरा सेटअप तैयार करना, सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए शानदार स्टेज (मंच) का निर्माण और प्रार्थना स्थल हेतु पक्के फर्श का निर्माण शामिल हैं।

विद्यालय को कॉर्पोरेट और निजी स्कूलों जैसी सुविधाएं प्रदान करने के इस भगीरथ प्रयास के लिए प्रधानाचार्य चिरंजीलाल चिरानिया और समस्त स्टाफ सदस्यों ने संग्राम शक्ति फाउंडेशन के कर्नल वी.पी. सिंह तथा गोविंद बाग (खुड़ी) के के.वी. सिंह सहित सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया। ग्रामीणों और स्टाफ का मानना है कि इस अनूठी पहल से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

कोटा में कार से 136 किलो डोडा-चूरा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए कार से 136.150 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद कर तस्कर को गिरफ्तार किया।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि राजस्थान नम्बर वाली एक कार में तस्कर नेटावल महाराज-ओदुंद क्षेत्र से सीकर की ओर अवैध डोडा-चूरा लेकर जा रहा है। उक्त सूचना पर सीबीएन कोटा के अधिकारियों की एक टीम का गठन किया गया, गठित टीम को मौके पर रवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध वाहन की पहचान होने पर सीबीएन अधिकारियों ने कार को रोकने की कोशिश की, किन्तु चालक ने वाहन नहीं रोका तथा तेज गति से भागने का प्रयास किया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम द्वारा लगभग 300 मीटर तक पीछा करने के दौरान वाहन को रोकने के उद्देश्य से सीबीएन अधिकारियों द्वारा पिस्टल एवं ट्राईका राईफल से चेतावनी स्वरूप फॉयर किए गए। इसके पश्चात वाहन में सवार व्यक्ति वाहन को सड़क पर छोड़कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए भागने का प्रयास करने लगा, किन्तु सीबीएन अधिकारियों ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। टीम ने कार को कार्यालय लाकर तलाशी ली तो तलाशी लेने पर कार के अन्दर से 7 बोरियों से कुल 136.150 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद हुआ। इसके बाइ अवैध डोडा-चूरा एवं कार को जब्त कर लिया गया तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोपी को गिरफ्तार किया गया, मामले में आगे की जांच प्रकिया जारी है।

चलती ट्रेन से गिरा युवक गंभीर घायल

अजमेर/विजयनगर, (निसं)। नसीराबाद से लोकल ट्रेन में सवार होकर अपने गृह नगर विजयनगर लौट रहे एक युवक के साथ हादसा हो गया। विजयनगर रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से उतरने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों ने तत्काल घायल को संभाला तथा उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। घायल की पहचान श्यामलाल के रूप में हुई है।

शिक्षा विभाग अब कुछ खास मामलों में ट्रांसफर के लिए परिवेदनाएं लेगा

- एकल-विधवा, असाध्य बीमारियों के मामले में टीचर्स गुहार लगा सकेंगे

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग में 19 जून से 10 जुलाई तक टीचर्स के तबादले हुए। इसके बाद कुछ खास मामलों में अब शिक्षा विभाग ट्रांसफर की परिवेदनाएं स्वीकार करेगा। तबादले को लेकर जिन टीचर्स को आपत्ति है, वे परिवेदना लगा सकेंगे। इस आधार पर राहत देने के लिए निदेशालय ने कमेटियों का गठन किया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने स्थानांतरण आदेशों से संबंधित परिवेदनाओं (आपत्तियों) की जल्दी जांच और निपटारे के लिए निदेशालय और संभाग स्तर पर समितियों का गठन किया है। यह आदेश प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से ट्रांसफर पर लगी रोक में 19 जून से 10 जुलाई 2026 तक दी गई छूट के दौरान जारी ट्रांसफर ऑर्डर के संदर्भ में जारी किया गया है। निदेशक की ओर से जारी आदेश के अनुसार एकल महिला, विधवा, मेडिकल बोर्ड से प्रमाणित गंभीर और असाध्य रोगों जैसे कैंसर, मस्तिष्क, हृदय, फेफड़े, किडनी आदि से पीड़ित, दिव्यांग कार्मिक, दीर्घावधि सेवाकाल और सरकारी सेवा में कार्यरत पति-पत्नी के मामलों से जुड़ी परिवेदनाओं की सुनवाई समितियां करेंगी। निदेशालय स्तर समिति-अतिरिक्त निदेशक (शैक्षिक) को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में संयुक्त निदेशक (कार्मिक), संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण), उपनिदेशक (प्रशासन), उप-विधि परामर्शी तथा सहायक निदेशक (स्थापना सी-5) सदस्य सचिव होंगे। संबंधित संभाग के संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) इस समिति के अध्यक्ष होंगे। समिति में संभाग मुख्यालय के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त निदेशक द्वारा नामित जिला शिक्षा अधिकारी तथा संयुक्त निदेशक कार्यालय के अति. जिला शिक्षा अधिकारी/समकक्ष अधिकारी सदस्य सचिव होंगे।

जिम ट्रेनर ने फंदा लगाकर जान दी

जयपुर। अशोक नगर थाना क्षेत्र के सी-स्कीम में एक बीस वर्षीय जिम ट्रेनर ने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला,जब उसका रूम पार्टनर वापस लौटा और काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मकान मालिक व पडौसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

एएसआई राम कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के रतलाम निवासी हर्षित परमार (20) के रूप में हुई है। जो रमेश मार्ग सी-स्कीम स्थित एक कमरे में रूम पार्टनर के साथ किराए पर रहकर जिम ट्रेनिंग का काम करता था। एएसआई के अनुसार घटना के दौरान हर्षित मकान मालिक से टिफिन लेकर अपने कमरे में चला गया था। उसी दौरान उसका रूम पार्टनर किसी काम से अजमेर गया हुआ था। इस दौरान हर्षित ने कमरे में चुन्नी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रूम पार्टनर के वापस लौटने पर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने और दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर उसने मकान मालिक और पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और अंदर जाकर देखा तो हर्षित फंदे से लटका हुआ था।

मुख्यमंत्री ने लिया साइबर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

शिकायत दर्ज होने से लेकर उसे संबंधित थाना एवं बैंक तक भेजने (डिस्पैच) की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर अपराध नियंत्रण को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और इसके लिए आवश्यक सभी सुविधाएं एवं संसाधन उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

वहीं बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने आर-4-सी (राजस्थान साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर) का निरीक्षण किया और साइबर अपराध रोकथाम के लिए विकसित तकनीकी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 1930 की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा तथा स्वयं हेल्पलाइन पर आए एक पीड़ित की शिकायत सुनी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर साइबर क्राइम कंट्रोल रूम 1930 की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा तथा स्वयं हैल्पलाइन पर आए पीड़ित की शिकायत भी सुनी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से शिकायत दर्ज होने से लेकर उसे संबंधित थाना एवं बैंक तक भेजने (डिस्पैच) की पूरी प्रक्रिया की बारीकी से जानकारी ली। उन्होंने साइबर क्राइम कंट्रोल सेंटर के लाइव डैशबोर्ड का भी अवलोकन कर साइबर अपराधों की मॉनिटरिंग, शिकायतों के निस्तारण और तकनीकी निगरानी व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में साइबर अपराधों की रोकथाम, त्वरित कार्रवाई और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व स्पीकर सुमित्रा सिंह से मिलने पहुंची वसुंधरा राजे

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे शनिवार को अस्वस्थ चल रही 97 वर्षीय पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह की मिजाजपुर्सी करने उनके सी-स्कीम स्थित निवास पर पहुंची तो दोनों के बीच पुरानी स्मृतियों को लेकर लंबी चर्चा हुई।वहाँ उपस्थित लोगों के बीच पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सिंह ने कहा कि वसुन्धरा का कार्यकाल नारी शक्ति को समर्पित रहा, जो कई मायनों में याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इनके 2003 से 2008 के कार्यकाल में राजस्थान में तीन देवियां पहली बार प्रदेश के सर्वोच्च पदों पर आसीन थी। गत 8 दिसंबर 2003 को वसुन्धरा राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री बनी। मुझे भी इन्होंने 20 जनवरी 2004 को प्रदेश की पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष बनने का गौरव प्रदान किया। उसी कालखंड में 8 नवंबर 2004 को राजस्थान में पहली महिला राज्यपाल प्रतिभा देवी सिंह पाटिल बनी।

त्रिवेणी संगम का ये दुर्लभ और सुखद संयोग था,जो अन्य किसी भी प्रदेश में आज तक देखने को नहीं मिला। उन्होंने कहा कि इसीलिए महिलाओं की तरक्की के लिए उस वक्त महिलाओं को परिवार का मुखिया बनाने वाली दुनिया में पहली भामाशाह नारी सशक्तिकरण योजना, महिलाओं को पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में 50 फीसदी आरक्षण और बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्कूटी-साइकिल योजना जैसे कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए,जो देश के लिए उदाहरण बने। राजे ने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने शनिवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सुमित्रा सिंह के सी-स्कीम स्थित आवास पर पहुंचकर कुशलक्षेम पूछी।

पुलिस कमिश्नर ने सुनी समस्याएं

जयपुर। आमजन की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने शनिवार को पुलिस थाना प्रताप नगर में जनसुनवाई की। इस दौरान सांगानेर सर्किल के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों की परिवेदनाएं सुनकर कई मामलों में मौके पर ही राहत दिलाई गई। साथ ही, शेष प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में प्रताप नगर, सांगानेर, मालपुरा गेट और रामनगरिया थाना क्षेत्रों से आए परिवादियों ने अपनी बात सीधे पुलिस आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत कीं। प्रत्येक परिवाद की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि प्रत्येक मामले का निष्पक्ष, संवेदनशील और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

आरएमएससीएल की दवा खरीद व गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली को भारत सरकार ने सराहा

जयपुर। भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव मनोज जोशी ने राजस्थान मेडिकल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमसीएल) के माध्यम से रोगियों को सस्ती दर पर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनाई जा रही खरीद प्रणाली की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इसके माध्यम से रोगियों को गुणवत्ता युक्त दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे उन पर आर्थिक भार कम हुआ है। जोशी ने शनिवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास एवं आरएमएससीएल के अधिकारियों के साथ बैठक में दवाओं की खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला अस्पतालों से लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रत्येक स्तर पर आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन को समय पर उपचार मिल सके। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरएमएससीएल के माध्यम से दवा वितरण केंद्रों पर बाजार भाव की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रतिदिन 19 हज़ार केंद्रों पर लगभग 3.60 लाख लोगों को दवाई उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही परिणाम है कि औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली के केंद्रीय डैशबोर्ड पर मई माह के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक पुखराज सैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया, भंडारण, बाजार दरों से तुलना तथा गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी दी।

लापरवाही से व्हील अलाइनमेंट करने पर सर्विस सेंटर पर हर्जानाा

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग महानगर प्रथम ने व्हील अलाइमेंट के दौरान लापरवाही करने और ग्राहक की शिकायत को नजरअंदाज करने पर जयपुर टायर केयर पर 6000 रुपए का हर्जाना लगाया है। साथ ही आयोग ने अलाइनमेंट और गाड़ी ठीक कराने के लिए खर्च किए 3901 रुपए भी ब्याज सहित परिवादी को लौटाने के आदेश दिए है। आयोग ने यह आदेश संदीप कुमार सौगानी की ओर से दायर परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। परिवाद में अधिवक्ता महेंद्र कुमार ने बताया कि परिवादी ने 4 जुलाई, 2023 को विपक्षी फर्म से अपनी कार का व्हील अलाइमेंट और बैलेंसिंग 859 रुपए खर्च कर कराई। इसके बाद गाडी चलाने के दौरान कार से अजीब से आवाज आने लगी। परिवादी ने इसकी शिकायत की तो सेंटर के संचालक ने बारिश का हवाला देकर उसे वापस भेज दिया। शिकायत बढ़ने पर परिवादी ने कार को अधिकृत सर्विस सेंटर पर चेक कराया। यहां टेक्नीशियन ने बताया कि व्हील अलाइनमेंट के दौरान पहिए के बोल्ट को इतना तेज कहा गया था कि इंजन, सस्पेंशन और टायर थामने वाले मेटल क्रॉस फ्रेम के दो बडे बोल्ट के माथे टूट गए थे। इस पर गाडी ठीक कराने के लिए अलग से 3901 रुपए खर्च करने पडे। दूसरी ओर सर्विस सेंटर की ओर से कहा गया कि गाडी के किसी बडे पत्थर के टकराने से बोल्ट टूटे होंगे।

प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एएनएम के साथ निगरानी में रखें : वी. श्रीनिवास

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए मुख्य सचिव ने

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को उपयुक्त अस्पताल (सीएचसी, उपजिला अस्पताल, जिला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज) से मैप किया जाए तथा हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला की नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक हाई रिस्क प्रेग्नेंसी महिला को एक एएनएम के साथ निगरानी में रखे और आवश्यकता पर डॉक्टर को तुरंत दिखाने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वी.श्रीनिवास शनिवार को स्वास्थ्य भवन स्थित सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों व अस्पताल के अधीक्षकों को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीएचओ, आरसीएचओ, पीएमओ, संयुक्त निदेशक-जोन, मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों व अस्पताल के अधीक्षकों की बैठक ली।

- ‘लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित करें’
- ‘मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभागों के विशेषज्ञों को शामिल कर प्रति सप्ताह समीक्षा की जाए’

उन्होंने कहा कि लेबर रूम एवं ओटी के लिए जारी प्रोटोकॉल की पालना प्रतिदिन सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि हाई रिस्क गर्भवती महिला से जुड़ी एएनएम प्रति 3 दिन बाद व्यक्तिगत सम्पर्क करेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रत्येक मातृ मृत्यु की समीक्षा संस्था स्तर पर एवं सामुदायिक स्तर पर रहे कारणों के साथ की जाए तथा अस्पतालों में बनाई गई मातृ मृत्यु ऑडिट कमेटी में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों को शामिल करते हुए भी समीक्षा की जाए। उन्होंने गर्भवती महिला को प्रसव पूर्व, दो बच्चों के अन्तर, एनीमिया तथा पूर्व प्रसव के दौरान होने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए गुड कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजी बनाई जाए।उन्होंने कहा कि प्रतिदिन अस्पतालों में ओटी, आईसीयू, लेबर रूम आदि की क्रियाशीलता, उनमें उपचारित मरीजों की संख्या सहित अन्य जानकारी की प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मरीज की मृत्यु चिकित्सकीय लापरवाही से नहीं होनी चाहिए। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के न्यूट्रिशन एवं सुरक्षित प्रसव के संबंध में स्त्री रोग विशेषज्ञों से चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सर्जन के रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए।

वी. श्रीनिवास ने बीकानेर, जोधपुर, कोटा, अजमेर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों, जनाना अस्पताल, महिला चिकित्सालय जयपुर, जनाना अस्पताल कोटा के विशेषज्ञों तथा झालावाडा जिले के सीएमएचओ से गर्भवती महिलाओं के उपचार में दी जा रही सुविधाओं, प्रोटोकॉल की पालना, ब्लड बैंक, आईसीयू, लेबर रूम, ओटी, प्रतिदिन होने वाले सामान्य प्रसव एवं सिजेरियन प्रसव, उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के लक्षण सहित अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की और सुझाव लिए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सरकारी चिकित्सा संस्थानों में प्रतिदिन होने वाले प्रसव, भर्ती गर्भवती महिलाओं की स्थिति, लेबर रूम, ओटी, बेड की उपलब्धता सहित अन्य जानकारियां स्टैंण्डर्ड फार्मेट में मंगवाया जाना सुनिश्चित करावें।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि पूर्व में प्रोटोकॉल पालना से संबंधित दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं और विभाग द्वारा 15 जुलाई से 5 दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें प्रत्येक गर्भवती महिला को ट्रेक कर स्क्रीनिंग की जा रही है। एएनएम, सीएचओ एवं आशा वर्कर को हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं की विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने विभाग द्वारा अब तक उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।बैठक में आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बाबूलाल गोयल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी.शुभमंगला, निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, आरएमएससीएल के कार्यकारी निदेशक जयसिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

सार-समाचार

50 वर्ष पुराने स्नातकों का पुनर्मिलन

जयपुर। महाराजा कॉलेज के 50 वर्ष पुराने स्नातकों का पुनर्मिलन समारोह शनिवार को जयपुर में आयोजित हुआ। आधी सदी यानि करीब (50 साल) बाद पूर्व छात्र शनिवार को रोड नंबर 9, विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित विश्वकर्मा रिक्रिएशन क्लब में इकठ्ठे हुए। आयोजन समिति के सदस्य प्रमोद खंडेलवाल, इकबाल सिंह और नर सिंह स्वर्णकार ने बताया कि इस विशेष दिन की शुरुआत दोपहर के स्नेहभोज के साथ हुई। इसके पश्चात, पुरानी यादों को ताजा करने के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित हुए। समारोह में देश-विदेश से कॉलेज के पुराने सहपाठी शामिल होकर अपने छात्र जीवन के अनुभवों और सुनहरे पलों को याद किया। इस मौके पर पूर्व महापौर अशोक परनामी, न्यायमूर्ति बनवारी लाल शर्मा, एन.के.शर्मा, अध्यक्ष, राजस्थान नियोक्ता संघ और जर्मनी से जुल्फिकार अहमद ने समारोह में भाग लिया। हरि मोहन शर्मा को सुंदर इवेंट मैनेजमेंट का श्रेय दिया गया।

पिंक ड्राइव से दिया स्वच्छता का संदेश

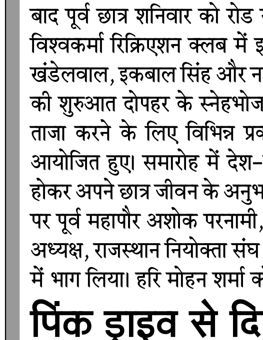

जयपुर। समुदाय आधारित नागरिक पहल जयपुर-बाय-जयपुराइट्स की ओर से सुबह पिंक ड्राइव 2.0 का आयोजन किया गया। यह प्लॉगिंग एवं स्वच्छता अभियान सुबह 6 बजे से 8 बजे तक सिंधी कैंप के प्लेटफॉर्म-1 से शुरू हुआ। 7 जून को आयोजित पहली पिंक ड्राइव की सफलता के बाद आयोजित इस दूसरे अभियान की थीम "स्वच्छ शहर, बेहतर कल" रही। अभियान में 6 वर्ष से लेकर 70 वर्ष तक की आयु के करीब 50 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने सिंधी कैंप और आसपास के क्षेत्रों में फैले कचरे को एकत्रित कर स्वच्छता का संदेश दिया और नागरिक जिम्मेदारी निभाने का संकल्प लिया। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और जयपुर को देश का सबसे स्वच्छ शहर बनाने के लिए सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देना था। अभियान के दौरान सभी स्वयंसेवकों को सुरक्षा जैकेट, डिस्पोजेबल मास्क और दोबारा उपयोग किए जा सकने वाले दस्ताने उपलब्ध कराए गए, ताकि वे सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से स्वच्छता अभियान में भाग ले सकें। इस अभियान को सिंधी कैंप बस स्टैंड के मुख्य प्रबंधक राकेश राय तथा सिंधी कैंप के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी पूरा सहयोग मिला, जिनके समर्थन से यह स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

संस्कृत विवि. में सिंडीकेट की बैठक

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद (सिंडीकेट) की बैठक शनिवार को कुलपति प्रो. मदनमोहन झा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शिक्षकों की पदोन्नित, आठवें दीक्षांत समारोह तथा नवीन पाठ्यक्रमों सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। कुलसचिव डॉ. गुंजन सोनी ने बताया कि राज्यपाल की अध्यक्षता में 7 सितंबर को होने वाले विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले स्वर्ण पदकों एवं डिग्रियों के प्रस्ताव को कार्य परिषद ने अनुमोदित किया। बैठक में कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत विश्वविद्यालय के सह-आचार्य डॉ. राजधर मिश्र, डॉ. विनोद कुमार शर्मा और डॉ. माताप्रसाद शर्मा को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत करने की स्वीकृति दी गई। विश्वविद्यालय परिसर तथा प्रदेश के संस्कृत महाविद्यालयों में मौजूदा शैक्षिणक सत्र से लागू किए जाने वाले नवीन पाठ्यक्रमों को भी मंजूरी प्रदान की गई। बैठक में विश्वविद्यालय में स्थापित आठ शास्त्रीय पीठों पर पीठाध्यक्षों की नियुक्ति के प्रस्ताव पर भी कार्यपरिषद ने सहमति व्यक्त की। बैठक में राज्यपाल प्रतिनिधि प्रो. यशवीर सिंह, शिक्षक प्रतिनिधि डॉ. स्नेहलता शर्मा, संकायाध्यक्ष सदस्य प्रो. शालिनी सक्सेना तथा सरकार के प्रतिनिधि प्रो. राकेश जोशी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

वार्ष्णेय सुर संगम 26 जुलाई को

जयपुर। राजस्थान वैश्य वार्ष्णेय सभा जयपुर के तत्वावधान में 26 जुलाई को श्री वार्ष्णेय वैश्य सेवा सदन पालड़ी मीणा में दोपहर 3 बजे से सांस्कृतिक संगीत कार्यक्रम वार्ष्णेय सुर संगम का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के बृजेश कुमार एवं राजेश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों से वार्ष्णेय समाज के 50 से अधिक प्रतिभागी फ़िल्मी गीत, भजन, ग़ज़ल एवं शास्त्रीय संगीत की एकल प्रस्तुतियाँ देंगे।

ईवी वाहन के कीमती पार्ट्स चुराने वाला मिस्त्री गिरफ्तार

. बगरू थानाधिकारी राजेंद्र कुमार गोदारा ने बताया कि परिवादी विकास कुमावत ने 15 जुलाई 2026 को बगरू थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 14 जुलाई की सुबह जब वह अपने वर्कशॉप पहुंचा तो वहां काम करने वाला मिस्त्री (डेंटर) मोहम्मद शहजाद उर्फ बब्बू गायब था। जांच करने पर वर्कशॉप से टाटा नेक्सॉन ईवी का चार्जर, इमोबिलाइजर, बैटरी फ्यूज, ईसीएम, बीसीएम फ्यूज बॉक्स, एयरबैग तथा कार की चाबी सहित करीब छह लाख रुपए का सामान गायब मिला।

पेपर लीक और ओएमआर घोटाला दबाने में जुटी सरकार : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश के नौजवान की सबसे बड़ी पीड़ा पेपर लीक और अटकी हुई भर्तियां हैं।

युवा बरसों तक किराए के कमरों में रातें काटते हैं, माता-पिता खेत गिरवी रखकर फीस भरते हैं, और परीक्षा से ठीक पहले पेपर बाजार में बिक जाता है। यह सिर्फ नकल नहीं है, बल्कि करोड़ों युवाओं के सपनों की निर्मम हत्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपरलीक और ओएमआर घोटाला दबाने में जुटी है।

जूली ने यह बातें शनिवार को जयपुर में आयोजित "छात्र संविधान संवाद" कार्यक्रम में कही। जूली ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने 2022 में देश का सबसे सख्त कानून बनाया था, जिसमें लंबी सजा और संपत्ति जब्ती तक का कड़ा प्रावधान है।

‘डेढ़ माह में 17 हजार प्रकरणों पर सुनवाई’

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण में दैनिक जनसुनवाई व्यवस्था के माध्यम से बीते डेढ़ माह में 17 हजार से अधिक प्रकरणों पर आमजन की सुनवाई करके मामलों का निस्तारण किया गया है। जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि लगभग 200 अधिकारी एवं कार्मिक प्रत्यक्ष रूप से आमजन की समस्याएँ सुन रहे हैं तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कर रहे हैं। परिणामस्वरूप डेढ़ माह की अवधि में 17 हजार से अधिक प्रकरणों की सुनवाई की जा चुकी है। साथ ही लगभग 500 प्रकरणों में ई-सुनवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार जून माह में लगभग 10 हजार तथा जुलाई माह में अब तक लगभग 7 हजार प्रकरणों की सुनवाई की गई है। वहीं, 13 से 17 जुलाई के बीच केवल 5 दिनों में ही 2325 प्रकरणों पर सुनवाई कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ की गई। जेडीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

कानोता में 6 बीघा भूमि पर बसाई जा रही दो अवैध कॉलोनियां ध्वस्त

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने कानोता क्षेत्र में करीब 6 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर विकसित की जा रही दो अवैध कॉलोनियों को प्रारंभिक स्तर पर ही ध्वस्त किया। उप महानिरीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि जोन-24 के क्षेत्राधिकार में ग्राम कानोता, आनन्द कॉलेज के पास दुधावाला रोड पर करीब 2 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति एवं बिना भू-रूपांतरण कर भूमि को समतल कर बनाई गई।

वांगचुक को लेकर राजनीति चमकाने की कोशिश कर रही कांग्रेस : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस सोनम वांगचुक पर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास कर रही है। किसी का स्वास्थ्य बिगड़ने पर इंतजार करना और उस पर राजनीति करना, कांग्रेस का यह रवैया सही नहीं है। सरकार की पहली प्राथमिकता किसी भी नागरिक का जीवन बचाने की होती है, किसी का स्वास्थ्य बिगड़ने पर उसे अस्पताल पहुंचाना पूरी तरह उचित निर्णय है। किसी की जान पर राजनीति करना विकृत मानसिकता का परिचायक है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कुछ लोग चाहते थे कि वांगचुक का स्वास्थ्य और बिगड़ जाए, ताकि बाद में सरकार को घेरकर राजनीतिक लाभ लिया जा सके। उन्हें आमरण अनशन जैसा कदम उठाने से पहले गंभीरता से विचार करना चाहिए। किसी भी मांग पर चर्चा और बहस लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन किसी व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है।

रीको ने औद्योगिक विकास के साथ-साथ श्रमिक आवास सुविधा का प्रावधान किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन के विजन को आगे बढ़ाते हुए रीको ने अपनी फ्लेक्सिबल लैंड लीज एवं रेंटल पॉलिसी में आंशिक संशोधन किया है। इस संशोधन का उद्देश्य राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ उद्योगों के लिए श्रमिक आवास सुविधा (वर्कर्स हाउसिंग फैसिलिटी) की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, जिससे उद्योगों को प्रशिक्षित एवं स्थायी श्रमिक मिल सकें और श्रमिकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवास फैक्ट्री के आसपास ही उपलब्ध हो सके। श्रमिक आवास सुविधा के लिये भूमि का आवंटन ई-बिडिंग प्रक्रिया के माध्यम से लाइसेंस आधार पर 30 वर्ष करने का प्रावधान किया गया है। पारस्परिक सहमति और निगम द्वारा उचित समझे जाने पर इस अवधि को 20 वर्ष और बढ़ाया जा सकेगा।

- **इस बदलाव के साथ श्रमिक आवास सुविधा के लिये भूमि का आवंटन ई-बिडिंग प्रक्रिया से लाइसेंस आधार पर 30 वर्ष करने का प्रावधान किया गया है। पारस्परिक सहमति और निगम द्वारा उचित समझे जाने पर इस अवधि को 20 वर्ष और बढ़ाया जा सकेगा।**

प्रारंभिक बोली की आधार दर संबंधित औद्योगिक क्षेत्र की प्रचलित भूमि दर का 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष निर्धारित की गई है। किराया तिमाही आधार पर देय होगा तथा इसमें प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इसके अलावा लंबी अवधि के आवंटन के लिए 2 वर्ष मोरेटोरियम की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।

रीको द्वारा उद्यमियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से फ्लेक्सिबल लैंड लीज एवं रेंटल पॉलिसी में समय-समय पर संशोधन किए गए हैं। इसी वर्ष नीति के अंतर्गत प्लग एंड प्ले, स्पोर्ट्स, ईवी चार्जिंग स्टेशन, नर्सरी, ग्रामीण हाट, मैरिज गार्डन तथा मसाला चौक जैसी गतिविधियां भी शामिल की गई हैं। रीको के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक आवास की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए अब इस नीति में वर्कर्स हाउसिंग फैसिलिटी को भी शामिल किया गया है जिसके लिये रीको औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड नियोजित किये जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय बजट 2024 में वित्त मंत्री द्वारा औद्योगिक श्रमिकों के लिए डॉर्मिटरी आधारित रेंटल हाउसिंग विकसित करने की घोषणा की गई थी। यह योजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित की जाएगी तथा इसमें वायबिलिटी गैप फंडिंग का प्रावधान रहेगा।

रीको के प्रबंध निदेशक सुरेश कुमार ओला ने बताया कि प्रशिक्षित एवं स्थायी श्रमिक किसी भी औद्योगिक विकास की मजबूत नींव होते हैं, जो निवेश आकर्षित करने के साथ-साथ उद्योगों की उत्पादकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिक आवास उपलब्ध होने से फैक्ट्रियों की उत्पादकता और श्रमिकों के स्थायित्व में वृद्धि होगी। उद्योगों को कुशल एवं नियमित कार्यबल उपलब्ध रहेगा तथा बड़े औद्योगिक निवेश और उत्पादन क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा।

बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। विद्याधर नगर पुलिस ने विशेष अभियान के तहत 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश जुबैर उर्फ इरफान उर्फ भूरिया निवासी विद्याधर नगर को गिरफ्तार किया है।

कैंसर पीड़ित पत्नी के शिक्षक पति के तबादला आदेश पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने कैंसर की बीमारी से पीडित पत्नी के शिक्षक पति को राहत देते हुए उसके 270 किलोमीटर दूर किए तबादला आदेश की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने कहा है कि अपीलार्थी विभाग के सक्षम अधिकारी के समक्ष इस संबंध में अपना अभ्यावेदन पेश करे और विभाग उस पर सहानुभूतिपूर्वक एक माह में निर्णय करे। अधिकरण ने यह आदेश हरिराम बैरवा की अपील पर दिए।अपील में बताया कि अपीलार्थी की पत्नी गंभीर रूप से स्तन कैंसर से पीडित है। इसके अलावा वह सेवानिवृत होने में भी दो साल से कम समय बचा है। पत्नी की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी अपीलार्थी पर है। इसके बावजूद भी विभाग ने गत दिनों उसका तबादला सवाई माधोपुर से धौलपुर कर दिया। ऐसे में तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिसके जवाब में शिक्षा विभाग की ओर से कहा गया कि अपीलार्थी का तबादला प्रशासनिक सुधार एवं समन्वयक विभाग के 19 जून 2026 के आदेश के तहत प्रशासनिक जरूरतों के चलते किया गया है। किसी भी कर्मचारी को लंबे समय तक एक जगह कार्यरत नहीं रखा जा सकता।

सार-समाचार

स्थानांतरित पुलिस अधिकारियों व नवपदस्थ सीआई का सम्मान

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ पुलिस थाने में स्थानांतरित पुलिस अधिकारियों एवं नवपदस्थ सीआई संदीप कुमार के सम्मान में अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी सतपाल सिंह रहे, जबकि डीवाईएसपी इनसार अली, सीआई गौरव खिड़िया एवं सुभाषचंद्र मंचासीन रहे। एडिशनल एसपी सतपाल सिंह ने टीम भावना से कार्य करने और अधीनस्थ कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। इस अवसर पर सीआई संदीप कुमार, गौरव खिड़िया, सुभाषचंद्र, एएसआई सुरेश कुमार, एएसआई रामनिवास तथा कांस्टेबल दौलत का सम्मान किया गया। समारोह में सब इंस्पेक्टर गिरधारीलाल, रतनलाल, गणेश शर्मा सहित पुलिस थाने का स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन एएसआई सुभाष ने किया।

8वी उतीर्ण छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह

सीकर (निसं)। स्थानीय पोलोग्राउण्ड स्थित विद्याश्रम पब्लिक स्कूल में आज कक्षा 5 व कक्षा 8 के छात्र छात्राओं को। ग्रेड हालिस करने पर सम्मानिक किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के भूतपूर्व छात्र अर्जुन सिंह शेखावत चयनित भारतीय जल सैना को संस्था निदेशक श्रीमती मंजू लाटा ने स्मृति चिन्ह एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। निदेशक महोदया ने बच्चों को संदेश दिया की शिक्षा ही सर्वोपरि है एक शिक्षित समाज देश को नई दिशा प्रदान करता है। भूतपूर्व छात्र अर्जुन सिंह ने भी बच्चों को कडी मेहनत और कठिन परिश्रम के साथ दृढनिश्चयी बने रहने से ही सफलता प्राप्त होती है। जैसे कई बातों से बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए आगे बढने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रिसिपल पायल शुक्ला, बिन्सी थॉमस, नेहा व्यास, विकास शर्मा, मो0 इरशाद, सुनिता, सहित समस्त स्टॉफ मौजूद रहा।

चिड़ावा में खेलों का महासंगम 19 जुलाई को

चिड़ावा (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में खेलो चिड़ावा, खेलों का महासंगम आयोजन डालमिया खेल कूद मैदान में होगा। नगर प्रचार प्रमुख भरत कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की शृंखला में पूरे भारत वर्ष में पारम्परिक भारतीय खेलों का आयोजन हो रहा है। चिड़ावा नगर में भी चिड़ावा नगर की सभी 12 बस्तियों से 48 टीमों के युवा खेलने के लिए एक जगह आएंगे। कबड्डी, मंडल खो, सतोलिया पिट्ठू, रिंग गोल,100 मीटर दौड़, रस्साकस्सी आदि खेलों की प्रतियोगिताएँ होगी। तीन वर्ग खेलों के होंगे। पहला वर्ग कक्षा 9से 12, दूसरा वर्ग 18 वर्ष की आयु से 40 वर्ष और तीसरा 40 से अधिक उम्र का होगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रति टीम से 100 रूपए शुल्क लिया जाएगा।

केशवानन्द का जलवा बरकरार, दूसरे दिन भी जीत का सिलसिला जारी

सीकर (निसं)। एन एच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द कॉन्वेन्ट स्कूल भढाढर सीकर ने गुना मध्यप्रदेश में चल रही हैण्डबॉल प्रतियोगिता एवं उदयपुरवाटी, झुन्झूनू में चल रही सीबीएसई क्लस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिता में केशवानन्द की टीम का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल कौशल, आत्मविश्वास और मेहनत का परिचय देते हुए जीत हासिल की। जानकारी देते हुए कैम्पस हैड राहुल ढाका ने बताया कि कबड्डी और हैंडबॉल दोनों खेलों में केशवानन्द के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए विरोधी टीमों को कड़ी चुनौती दी और अपनी जीत का परचम लहराया।

शिक्षा, संस्कार विकसित भारत की सशक्त आधारशिला : राज्यपाल बागड़े

- शेखावाटी ज्ञान सभा में गूंजा विकसित भारत का संकल्प, शिक्षा और संस्कार पर हुआ मंथन
- नीट-2026 के परिणामों में राजस्थान का प्रदर्शन देश के अन्य राज्यों की तुलना में अत्यंत उत्कृष्ट है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व की बात है

सीकर (निसं)। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की अध्यक्षता में शनिवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, जिला सीकर (जयपुर प्रांत) के संयुक्त तत्वावधान में 'शेखावाटी ज्ञान सभा' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय शिक्षा, संस्कार एवं विकसित भारत रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी थे।

कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने अपने संबोधन में कहा कि नीट–2026 के परिणामों में राजस्थान का प्रदर्शन देश के अन्य राज्यों की तुलना में अत्यंत उत्कृष्ट रहा है, जो पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था अच्छी है, फिर भी इसे और बेहतर बनाने की आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के माध्यम से विद्यार्थी नई ऊँचाइयों तक पहुँचेंगे तथा विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व की नींव विद्यालयों में रखी जाती है। प्राचीन गुरुकुलों में आधुनिक संसाधन नहीं होने के बावजूद मौखिक संवाद के माध्यम से उत्कृष्ट ज्ञान का संचार होता था। महाराणा प्रताप के समय आचार्य चक्रपाणि द्वारा कृषि विज्ञान पर लिखित 'विश्ववल्लभ' आज भी उपयोगी ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि विद्यालयों और महाविद्यालयों का उद्देश्य केवल निरक्षर को साक्षर बनाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता और व्यक्तित्व का समठा विकास करना होना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि उन्हें पंडित दीनदयाल उपाध्याय के साथ कार्य करने का अवसर मिला, जहाँ उन्होंने उनके सहायक के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और संस्कृति एक ही गाड़ी के दो पहिए हैं। संस्कृति समाज का दर्पण है तथा शिक्षा के माध्यम से ही संस्कृति पीढ़ी–दर–पीढ़ी संचारित होती है। शिक्षा रूढ़िवादी प्रथाओं एवं कुविचारों को दूर कर सांस्कृतिक शोधन का कार्य करती है। उन्होंने विनोबा भावे का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के साथ ही शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन होना चाहिए था।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा 64 लाख किलोमीटर के साथ सड़क नेटवर्क का व्यापक विस्तार हुआ है। उन्होंने उज्ज्वला योजना के तहत 11 करोड़ गैस कनेक्शन, जनधन योजना के अंतर्गत 58 करोड़ बैंक खाते, 12 करोड़ शौचालयों के निर्माण तथा 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराने जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अब केवल एक कमरे में कॉलेज या विश्वविद्यालय चलाने का समय नहीं रहा। शिक्षा संस्थानों को केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता विकसित करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि शेखावाटी केवल अपनी भव्य हवेलियों के लिए ही नहीं, बल्कि शौर्य, व्यापार, शिक्षा, परिश्रम और देशभक्ति की समृद्ध परंपरा के लिए भी प्रसिद्ध है। यहाँ के व्यापारियों ने हजारों लोगों के जीवन निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उन्होंने कहा कि आज विश्व मूल्यहीनता के संकट से जूझ रहा है, जिसका समाधान भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित है। मानसिक शांति की खोज में विश्वभर के लोग भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि नवाचारों के साथ नैतिक मूल्यों का समावेश आवश्यक है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सूचना उपलब्ध कराने का एक प्रभावी माध्यम है, लेकिन विवेक के अभाव में इसका दुरुपयोग भी संभव है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में भारतीय इतिहास और महापुरुषों के योगदान को उचित स्थान मिलना चाहिए तथा युवा पीढ़ी को पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन और विचारों से परिचित करवाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मानसिक शांति भी विकास का महत्वपूर्ण आधार है।

कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अनिल कुमार राय, जिला कलेक्टर आशीष मोदी, पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नुनावत, जयपुर प्रान्त प्रचारक बाबूलाल, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयोजक जयदीप , रजिस्ट्रार श्वेता यादव सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, विद्यार्थी, जिला प्रशासन के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नाबालिग से छेड़छाड़ मामले के आरोपी शिक्षक की गिरफ्तारी की मांग

- गिरफ्तारी की मांग को लेकर इनेलो प्रदेशाध्यक्ष 23 जुलाई से करेंगे आमरण अनशन

नोहर (निसं)। तहसील के गांव ललानिया में ग्यारह वर्षीय मासूम बच्चे के साथ घटित प्रकरण में न्याय की मांग को लेकर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष जयवीर गोदारा ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए स्पष्ट किया है कि यदि दोषी शिक्षक की अविलंब गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वे 23 जुलाई गुरुवार से नोहर पुलिस थाने के समक्ष आमरण अनशन शुरू करेंगे। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष जयवीर गोदारा ने इस गंभीर मामले पर पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल खड़ा किए हैं। उन्होंने कहा कि घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी दोषी की गिरफ्तारी न होना सिस्टम की विफलता को दर्शाता है। गोदारा ने चेतावनी दी कि पीड़ित परिवार को समय पर न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है, लेकिन पुलिस अब तक केवल खानापूर्ति कर रही है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि दोषियों को किसी भी सूरत में संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए इससे पहले जयवीर गोदारा ने राजस्थान के मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक और हनुमानगढ़ पुलिस अधीक्षक को पत्र प्रेषित कर तत्काल प्रभाव से मुलजिम की गिरफ्तारी की मांग की थी। गोदारा ने स्पष्ट किया है कि यदि 23 जुलाई तक पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई नहीं की, तो वे नोहर पुलिस थाना के सामने आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे।

कस्तूरी देवी केडिया को श्रद्धांजलि

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ नागरिक परिषद, कोलकाता के सचिव सुरेश केडिया की माताश्री स्व. कस्तूरी देवी केडिया के आकस्मिक निधन पर उनके रतनगढ़ स्थित निवास पर शोकसभा आयोजित की गई। परिषद सदस्य वासुदेव सांगानेरिया ने उनके व्यक्तित्व एवं धार्मिक जीवन को प्रेरणादायी बताया। इस अवसर पर गिरधारीलाल बाजोरिया, प्रभुदयाल चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, लक्ष्मण कंदोई सहित परिवारजन, शुभचिंतक, सामाजिक कार्यकर्ता, परिषद सदस्य एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सार-समाचार

महनसरिया ने किया "युवाओं का युद्ध, नशे के विरुद्ध" पोस्टर का विमोचन

चूरू (कासं)। जिला मुख्यालय के नए बस स्टैंड के पास स्थित नव ज्ञान ज्योति स्कूल में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के आव्हान पर युवाओं का युद्ध नशे के विरुद्ध पोस्टर का विमोचन शनिवार को पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर महनसरिया ने कहा कि लोकप्रिय नेता सचिन पायलट की हमेशा से युवाओं के प्रति सकारात्मक सोच रही है और पायलट युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया है कि ना तो नशा करो, ना नशा करने दो और जो लोग नशे की लत में पड़ चुके हैं। उन लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित कर सचिन पायलट के सपनों को साकार करें। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल अरशद खान, सत्तार खान, पार्षद शाहरुख खान, अयूब खान सहित बड़ी संख्या में विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी उपस्थित व युवा शक्ति उपस्थित थे।

नीमकाथाना के मनीष यादव ने नीट यूजी 2026 में किया शानदार प्रदर्शन

पाटन (निसं)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी) 2026 के घोषित परिणाम में नीमकाथाना के होनहार छात्र मनीष यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मनीष ने परीक्षा में 615 अंक प्राप्त कर 99.69 पर्सेंटाइल हासिल की। उन्हें ऑल इंडिया रैंक में 6075 तथा ओबीसी वर्ग में 2543वीं रैंक प्राप्त हुई।मनीष की इस उल्लेखनीय सफलता से परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। परिणाम घोषित होने के बाद उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।मनीष यादव ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता रामनिवास यादव, परिवार के सदस्यों तथा गुरुजनों के मार्गदर्शन, प्रेरणा और निरंतर सहयोग को दिया। उन्होंने कहा कि नियमित अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के बल पर यह सफलता संभव हो सकी।मनीष की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विश्वास जताया कि वे आगे चलकर चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देकर समाज और देश का नाम रोशन करेंगे।

निःशुल्क परामर्श शिविर शुरू, 64 मरीजों की जांच कर दी दवाएं

चिड़ावा (निसं)। शहर के सेखसरिया अस्पताल में शनिवार को गिन्नी देवी सत्यनारायण सेखसरिया मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ आरपीएस सुंदर लाल, ट्रस्ट के स्थानीय प्रतिनिधि सतीश शर्मा (ओस्टू वाला) तथा डॉ. एस.आर. चाहर ने किया। दोपहर तक चले शिविर में भारतीय सेवा समाज के प्रभारी पृथ्वीराज सिंह, सवाई सिंह रतनू एवं डॉ. महावीर सिंह ने दमा, गठिया, मधुमेह, लीवर, पथरी तथा मौसमी बीमारियों से पीड़ित 64 मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर उपचार संबंधी परामर्श दिया। साथ ही सभी मरीजों को एक माह की निःशुल्क दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर के सफल आयोजन में शशिकांत टेलर, श्रीकांत मिश्रा, माडूराम, शेर सिंह सहित अन्य सहयोगियों ने व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में गूंजा नीमकाथाना प्रसूता मृत्यु प्रकरण

पाटन (निसं)। नीमकाथाना में प्रसूता की हुई दुखद मृत्यु का मामला प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रमुखता से उठाया गया। नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी ने इस घटना को प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। विधायक मोदी ने कहा कि यह मामला केवल एक परिवार के दुख और पीड़ा तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं की जवाबदेही और कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

सगे भाई बहन का डॉक्टर बनने का सपना साकार

सादुलपुर (निसं)। अंबेडकर शिक्षक संघ राजगढ पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मनीराम रंगा के घर खुशी दोगुनी हो गई जब उनके बेटे और बेटी दोनों ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल कर डॉक्टर बनने की पहली सीढी पार कर ली। क्षेत्र के लिए यह गर्व का पल है। दोनों भाई–बहन की इस उपलब्धि पर अंबेडकर शिक्षक संघ के साथियों और शुभचिंतको का बधाइयों का तांता लग गया है। शिक्षाविद एवं समाजसेवी पवन गोठवाल ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा आप दोनों की यह सफलता आपके उज्जवल भविष्य की मजबूत नींव बनेगी। आप निरंतर आगे बढते रहें, क्षेत्र का नाम रोशन करें। मिठडी केसरी सिंह के रंगा परिवार की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सहायक कलेक्टर महोदय झुन्झुनूं
रोहिताश विरूद्ध अनुज वगैरह

प्रेषित :- प्रति. 26. अनिता पुत्री परशुराम, प्रति. 27. उम्मेद पुत्र श्योकरण, प्रति. 28. कमला देवी पत्नी स्व. परशुराम, प्रति. 29. चन्दगी पुत्र श्योकरण, प्रति. 30 नागरमल पुत्र श्योकरण, प्रति. 32 भानी पुत्री श्योकरण, प्रति. 33 मंजू कुमार पुत्री परशुराम, प्रति 34 राजेन्द्र कुमार पुत्र चुनाराम, प्रति. 35 रोहिताश कुमार पुत्र परशुराम, प्रति. 36 ललिता पुत्री श्योकरण, प्रति. 37 विमला पुत्री श्योकरण, प्रति. 39 सरवनी पुत्री श्योकरण, प्रति. 41 सिकंदर सिंह पुत्र परशुराम, प्रति.43 छोटूराम पुत्र मॉगुराम, प्रति. 44 भागीरथ राम पुत्र मॉगुराम, प्रति. 45 रामदेव पुत्र मॉगुराम, समस्त निवासीगण नीम की ढाणी, बामलास, तहसील गुढ़गौड़जी जिला झुन्झुनूं।, प्रति. 46 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, शाखा केड जरिये प्रबन्धक, प्रति. 47 आई.डी.बी.आई. बैंक शाखा टोडी जरिये प्रबन्धक, प्रति. 48 झुन्झुनूं केन्द्रीय सहकारी भूमि विकास बैंक, शाखा झुन्झुनूं जरिये प्रबन्धक, प्रति. 49 बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ठामीण बैंक, शाखा गुढ़ागौड़जी जरिये प्रबन्धक, प्रति. 50 तहसीलदार तहसील गुढ़ागौड़जी जिला झुन्झुनूं राजस्थान
वादी रोहिताश ने आपके विरूद्ध दावा बाबत विभाजन एवं स्थाई निषेधाज्ञा लिए वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 07/08/26 को दिन के 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात होने के लिए समन किया जता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो वाद से सम्बन्धित सभी सारवाना प्रशनों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रशनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतीक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हों, अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं उस दिन ऐसे सब दस्तावेज पेश करें आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर से न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

न्यायाधीश
सहायक कलक्टर
झुंझुनूं (राज.)

विद्यालय में सीपीआर प्रशिक्षण आयोजित

पाटन (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय काचरेड़ा में शुक्रवार को विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ के लिए कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त वरिष्ठ अध्यापक नीलकमल स्वामी ने सीपीआर की उपयोगिता एवं आपातकालीन परिस्थितियों में इसकी सही प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी।उन्होंने बताया कि सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) एक जीवनरक्षक तकनीक है, जिसका उपयोग तब किया जाता है जब किसी व्यक्ति की हृदय गति या श्वास रुक जाती है।

ऐसी स्थिति में मरीज की छाती को लगभग दो से ढाई इंच तक प्रति मिनट 120 बार दबाया जाता है, जिससे हृदय से रक्त मस्तिष्क एवं अन्य महत्वपूर्ण अंगों तक पहुंचता रहता है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले मरीज की श्वास एवं चेतना की जांच की जाती है, उसके बाद आवश्यकता अनुसार लगातार सीपीआर देकर मरीज के जीवन को बचाने का प्रयास किया जाता है।प्रशिक्षण के दौरान कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सीपीआर की तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन भी देखा। प्रशिक्षण के उपरांत सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने निर्धारित मूल्यांकन परीक्षा के प्रश्नों का समाधान किया। परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर छात्र यशविंदर सिंह मौर्य को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ के राजेश कुमार तिवाड़ी, जयप्रकाश सैन, मनोज कुमार मीणा, तन्नु यादव, अनीषा मीणा, मंजू कंवर एवं अजय गोठवाल सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाचार्य गिरधारी लाल मीणा ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण विद्यार्थियों में आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता विकसित करने के साथ–साथ समाज में जीवन बचाने की जागरूकता भी बढ़ाते हैं।

तीन माह बाद गांव पहुंचा राकेश का शव, मां की चीख से गूंज उठा बेगू का बास

- मौत के कारणों का खुलासा नहीं होने पर ग्रामीणों में आक्रोश है
- राकेश की मौत करीब एक महीने पहले ही हो चुकी थी, किंतु जानकारी परिवार को समय पर नहीं दी गई

सादुलपुर (निसं)। आबू धाबी (यूएई) में संदिग्ध परिस्थितियों में जान गंवाने वाले सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव बेगू का बास निवासी युवक राकेश पुत्र दिलीप चंद का पार्थिव शरीर आखिरकार करीब तीन माह बाद शुक्रवार दोपहर उसके पैतृक गांव पहुंचा। जैसे ही एम्बुलेंस गांव में पहुंची, पूरे गांव में मातम छा गया। घर के बाहर सैकडों ग्रामीणों की भीड उमड पडी। पार्थिव शरीर देखते ही मां अपने बेटे को अंतिम बार देखने के लिए दौड पडी और उसकी चीख–पुकार से माहौल गमगीन हो गया। शाम सात बजे मिली जानकारी में वहीं वृद्ध दादी बार–बार बिलखते हुए कहती रहीं, 'राकेश तन के होगो... मेरा राकेश तन कुन मार्यो...' यह दृश्य देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। शुक्रवार शाम को गमगीन माहौल में पूरे विधि–विधान और नम आंखों के साथ राकेश का अंतिम संस्कार किया गया।

अंतिम यात्रा में बडी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने राकेश की संदिग्ध मौत की निष्पक्ष जांच कराने, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा करने और परिवार को न्याय दिलाने की जोरदार मांग उठाई। मृतक के चचेरे भाई अशोक ने बताया कि राकेश से परिवार की नियमित बातचीत होती थी। लेकिन अचानक उसका फोन आना बंद हो गया।

परिवार ने कई बार कॉल किए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब कंपनी से संपर्क किया गया तो वहां से भी कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया और लगातार टालमटोल की जाती रही।उन्होंने बताया कि जब अपने परिचित को वहां भेजकर जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि राकेश की मौत करीब एक महीने पहले ही हो चुकी थी, लेकिन इसकी जानकारी परिवार को समय पर नहीं दी गई। इससे परिवार को गहरा मानसिक आघात पहुंचा। राकेश के साथ आबू धाबी में रहने वाले रतनगढ निवासी कपील, जो पार्थिव शरीर के साथ भारत आए, ने बताया कि वह और राकेश एक ही कंपनी में कार्य करते थे और साथ रहते थे। जब राकेश लगातार एक–दो दिन तक कमरे पर नहीं लौटा तो उन्होंने कंपनी अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। इस पर कंपनी का जवाब बेहद असंवेदनशील था। अधिकारियों ने कहा कि यहां 2 हजार कर्मचारी काम करते हैं, हम किस–किस का ध्यान रखें, पता चलेगा तो बता देंगे।कपील ने बताया कि कुछ समय बाद अचानक राकेश की मौत की सूचना मिली। उन्होंने कई बार कंपनी से मौत के कारण जानने का प्रयास किया, लेकिन कंपनी ने कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि राकेश की मौत के बाद उन्हें न तो भारतीय एंबेसी से अपेक्षित सहयोग मिला और न ही कंपनी की ओर से कोई मदद की गई। परिवार का कहना है कि कई बार विदेश मंत्रालय, केंद्रीय मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिला।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक उदासीनता के कारण आज तक मौत की असली वजह सामने नहीं आ सकी। अंतिम संस्कार के दौरान ग्रामीणों और परिजनों ने भारत सरकार से मांग की कि राकेश की मौत की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, मौत के वास्तविक कारणों का सार्वजनिक खुलासा किया जाए तथा जिस कंपनी में वह कार्यरत था, उससे नियमानुसार उचित मुआवजा (क्लेम) दिलाया जाए। साथ ही विदेश में काम करने वाले भारतीय श्रमिकों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए भी ठोस कदम उठाने की मांग की गई।

गरीब परिवार के इकलौते कमाने वाले बेटे की संदिग्ध मौत ने न केवल पूरे गांव को गहरे शोक में डुबो दिया है, बल्कि यह सवाल भी खडा कर दिया है कि आखिर तीन महीने बाद भी राकेश की मौत का सच सामने क्यों नहीं आ सका। अब पूरा गांव एक ही मांग कर रहा है, राकेश को न्याय मिले और उसकी मौत का सच देश के सामने आए।

तेज गेंदबाजी विभाग में लगातार बदलाव होते रहते हैं और ऐसे में सिराज जैसे अनुभवी गेंदबाज की वापसी तय मानी जा सकती है। फिलहाल चयनकर्ताओं ने सिराज की गैरमौजूदगी पर कोई स्पष्ट बयान नहीं दिया है। - आकाश चौपड़ा

पूर्व भारतीय खिलाड़ी मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अनिमेष कुजूर

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकेभारतीय धावक अनिमेष कुजूर ने 100 मीटर की दौड़ में नई उपलब्धि के साथ दूसरा स्थान हासिल किया. फर्राटा धावक ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकाला है. इसके साथ ही उन्होंने वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर इवेंट, फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट में दूसरा स्थान हासिल किया है। ओडिशा के 23 साल के एथलीट ने फाइनल में 10.14 सेकंड के पर्सनल बेस्ट प्रयास के साथ फिनिश लाइन पार की, यह टाइमिंग अब किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज टाइमिंग है।

क्या आप जानते हैं ?... अमेरिका के दिग्गज तैराक माइकल फेल्प्स ने 23 स्वर्ण समेत कुल 28 ओलंपिक पदक जीते हैं, जो आज तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है।

अर्जेंटीना और स्पेन के बीच 'चैम्पियनशिप रिंग' की जंग, क्या बदलेगी फुटबॉल की पुरानी परंपरा

नई दिल्ली, 18 जुलाई। अर्जेंटीना और स्पेन के बीच रविवार को होने वाला मुकाबला सिर्फ फीफा विश्व कप ट्रॉफी तक सीमित नहीं रहेगा। विजेता टीम के खिलाड़ियों को पहली बार यादगार 'चैंपियनशिप रिंग (अंगूठी)' भी दी जाएगी। फीफा ने पहली बार विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों को को विशेष अंगूठियां देने का फैसला किया है। उत्तर अमेरिकी खेलों में चैंपियन टीम को अंगूठियां देने की परंपरा 19वीं सदी के अंत से चली आ रही है, लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों में यह प्रथा आम नहीं है। इस बार फाइनल मुकाबला अमेरिका में खेला जा रहा है, इसलिए फीफा का यह कदम वहां की खेल परंपरा से प्रेरित माना जा रहा है।

विजेता टीम के खिलाड़ियों को हमेशा की तरह स्वर्ण पदक मिलेंगे, जबकि टीम के कप्तान और मुख्य कोच को फाइनल के तुरंत बाद प्रतीकात्मक अंगूठी पहनाई जाएंगी। बाद में विजेता टीम के लिए विशेष रूप से तैयार की गई 30 अंगूठियां बनाई जाएंगी। अंगूठी के एक तरफ विश्व कप ट्रॉफी की आकृति होगी, जबकि दूसरी तरफ विजेता टीम की पहचान को दर्शाने वाला विशेष डिजाइन बनाया जाएगा।

कुल 2,026 अंगूठियां तैयार की जाएंगी, जो साल 2026 का प्रतीक हैं। हर अंगूठी पर अलग क्रमांक होगा, उसे पहनने वाले के अनुसार तैयार किया जाएगा और उसके साथ प्रामाणिकता का प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। विजेता टीम को मिलने वाली 30 अंगूठियों के अलावा बची 1,996 अंगूठियां आम लोगों के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी।

फीफा ने हालांकि अभी तक इन अंगूठियों की कीमत का खुलासा नहीं किया है। चैंपियनशिप रिंग देने की परंपरा की शुरुआत 1893 से मानी जाती है, जब मॉन्ट्रियल हॉकी क्लब को डोमिनियन हॉकी चैलेंज कप जीतने पर विशेष अंगूठियां दी गई थीं। बाद में मेजर लीग बेसबॉल ने 1920 के दशक में, एनबीए ने 1940 के दशक के अंत से और एनएफएल ने सुपर बाउल युग की शुरुआत से अपनी विजेता टीमों को चैंपियनशिप रिंग देना शुरू किया।

पी.वी. सिंधु ने जापान ओपन में रचा इतिहास, पहली बार सुपर 750 में जगह बनाई

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु जापान ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फ़ाइनल में पहुँच गईं। शनिवार को सेमीफ़ाइनल में उनकी प्रतिद्वंद्वी, चीन की चेन युफ़ेई, दूसरे गेम के बीच में ही चोट के कारण मैच से हट गईं।

दुनिया में 12वें नंबर के ओलंपिक मेडलिस्ट खिलाड़ी टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में मैच में 21-19, 15-10 से आगे चल रहे थे, तभी दुनिया के नंबर 4 खिलाड़ी और पूर्व ओलंपिक चैंपियन चेन ने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण मैच से नाम वापस ले लिया। सिंधु अब रविवार को खिताबी मुकाबले में जापान की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी अकाने यामागुची से भिड़ेंगी। यामागुची ने दूसरे सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की छठे नंबर की खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वरदानी को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। यह फ़ाइनल, दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट जीतने के बाद से वर्ल्ड टूर के किसी ख़िताबी मुक़ाबले में सिंधु की पहली उपस्थिति होगी। साथ ही, यह सुपर 750 इवेंट में उनका पहला फ़ाइनल मुक़ाबला भी होगा।

चेन के ख़िलाफ़ 8-6 के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ सेमीफ़ाइनल में उतरीं सिंधु ने मज़बूत शुरुआत की और पहले गेम में 16-11 की बढ़त बना ली। हालाँकि, चेन - जिन्होंने सिंधु को पिछली चार मुलाक़ातों में हराया था - ने वापसी करते हुए स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया। सिंधु ने आख़िरी पलों में संयम बनाए रखा और पहला गेम 21-19 से जीत लिया। . के अनुसार, भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी अपनी लय बनाए रखी और बढ़त हासिल की, लेकिन 44 मिनट के खेल के बाद चोट के कारण चेन को मुकाबला रोकना पड़ा।

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर, हर्ष दुबे को टीम में मिली जगह

नई दिल्ली, 18 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे मैच के लिए ऑलराउंडर हर्ष दुबे को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें वॉशिंगटन सुंदर की जगह टीम में शामिल किया गया है। सुंदर दूसरे वनडे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके कारण वह सीरीज से बाहर हो गए हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे कल लॉर्ड्स में खेला जाएगा। हर्ष दुबे ने 13 जून 2026 को अफगानिस्तान के खिलाफ धर्मशाला में अपना वनडे इंटरनेशनल डेब्यू किया। इस मैच में उन्होंने 5 ओवर में 47 रन देकर 3 विकेट लिए।

सीरीज के दूसरे वनडे मैच के दौरान सुंदर के दाहिने हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट और मेडिकल स्टाफ अब वॉशिंगटन सुंदर की चोट पर नजर रखे हुए है। सुंदर की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए जल्द ही उनके स्कैन कराए जाएंगे। इसके साथ ही उनकी चोट के आगे के मैनेजमेंट और रिकवरी के लिए विशेषज्ञों (स्पेशलिस्ट) की सलाह ली जाएगी।

बल्लेबाजी कोच ने पहले ही जताई थी चिंता : दूसरे वनडे के बाद भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी सुंदर की चोट को लेकर चिंता जताई थी। रन लेते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी और चोट गंभीर लग रही है। तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम का अपडेटेड स्क्वॉड : शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार, प्रिंस यादव और हर्ष दुबे।

वर्ल्ड कप फाइनल स्लावको विंसिक रेफरी हंगे, फीफा अध्यक्ष का 57,700 मील का सफर

नई दिल्ली, 18 जुलाई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में अर्जेंटीना और स्पेन के बीच मुकाबले की जिम्मेदारी स्लोवेनिया के रेफरी स्लावको विंसिक संभालेंगे। छह साल पहले 2020 में बोस्निया में एक कथित वेश्यावृत्ति गिरोह पर पुलिस छापे के दौरान उन्हें हिरासत में लिया गया था। हालांकि जांच में उनके खिलाफ किसी तरह की आपराधिक संलिप्तता नहीं मिली और बाद में उन्हें क्लीन चिट दे दी गई। विंसिक ने कहा था कि वह कारोबारी बैठक के लिए बोस्निया गए थे और लंच का निमंत्रण स्वीकार करना उनकी सबसे बड़ी गलती साबित हुआ। विवादों को पीछे छोड़ने के बाद उन्होंने लगातार बड़े टूर्नामेंट में रेफरिंग की और अब फीफा ने उन्हें अर्जेंटीना-स्पेन फाइनल की जिम्मेदारी सौंपी है। यह मौजूदा वर्ल्ड कप में उनका चौथा और करियर का सबसे बड़ा मुकाबला होगा।

बीसीसीआई ने रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें खारिज की, कहा- लॉर्ड्स के बाद भी खेलते रहेंगे

नई दिल्ली, 18 जुलाई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास को लेकर चल रही अटकलों को खारिज कर दिया है। सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि रविवार को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाला तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच नहीं होगा।

सैकिया ने से कहा- रोहित के भविष्य को लेकर मीडिया में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। मैं साफ तौर पर कहना चाहता हूं कि ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना आखिरी मैच खेलेंगे। उन्होंने कहा कि रोहित आगे भी भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। इससे पहले इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि 19 जुलाई को लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा वनडे रोहित शर्मा का आखिरी इंटरनेशनल मैच हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ने रोहित को बता दिया है कि वे 2027 वनडे वर्ल्ड कप की प्लानिंग का हिस्सा नहीं हैं।

इंग्लैंड दौरे पर खराब प्रदर्शन के कारण संन्यास की अटकलें थीं : इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, के चयनकर्ताओं ने कहा था कि रोहित की जगह यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा। संन्यास लेने या चयन के लिए उपलब्ध रहने का फैसला रोहित शर्मा पर छोड़ दिया है। साथ ही, इंग्लैंड दौरे पर उनके प्रदर्शन को भी इस चर्चा की एक वजह बताया गया। पहले दो वनडे में रोहित 11 और 26 रन ही बना सके थे। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिटनेस पर काम करने के बावजूद रोहित चयनकर्ताओं के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने के कुछ अधिकारियों से भी इस मुद्दे पर चर्चा की थी।

भारत को 2 खिताब जिताए : रोहित की कप्तानी में भारत 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंचा। उन्होंने टीम को पहले गेंद से अटैक करने की स्ट्रैटिजी सिखाई। इससे वनडे क्रिकेट में भारत का नजरिया बदल गया। इसी टेम्पलेट पर भारत ने 2024 टी-20 वर्ल्ड कप भी जीता। फिर 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी जीताई।

बतौर कप्तान 103 मैच जीते : रोहित शर्मा भारत के सबसे सफल कप्तानों में शामिल हैं। उन्होंने 2017 से 2025 के बीच तीनों फॉर्मेट मिलाकर 142 मैचों में कप्तानी की। इसमें भारत ने 103 मुकाबले जीते।

वर्ल्डकप फाइनल से पहले न्यूयॉर्क के आसमान पर खतरनाक धुआं, कनाडा के जंगलों की आग का असर

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई। फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल से पहले कनाडा में लगी जंगलों की आग का धुआं न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी एरिया तक पहुंच गया है। रविवार को अर्जेंटीना और स्पेन के बीच होने वाले फाइनल मुकाबले पर इसका असर पड़ेगा या नहीं, इसे लेकर अभी भी अनिश्चितता की स्थिति है। लेकिन, प्लेयर्स और फैंस की हेल्थ फीफा की बड़ी चिंता है। हालांकि, मौसम एजेंसियों ने मैच के दिन वायु गुणवत्ता में सुधार की संभावना जताई है। फाइनल देखने के लिए 80 हजार फैंस आएंगे। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के पूर्वानुमान के अनुसार, न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड की एयर क्वालिटी रविवार तक मॉडरेट में आ सकती है। हालांकि, कुछ मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि शनिवार को होने वाली बारिश के बाद धुएं का नया गुबार क्षेत्र में पहुंच सकता है, जिससे स्थिति फिर बदल सकती है।

चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ चुनाव

नियमों को ताक पर रख सहकारिता विभाग करा रहा गुपचुप चुनावी कवायद

जयपुर, 18 जुलाई। प्रदेश में क्रिकेट का खेल लंबे समय से राजनीति का अखाड़ा बना हुआ है। हाल ही में चित्तौड़गढ़ जिला क्रिकेट संघ के चुनावों को लेकर एक बड़ा विवाद सामने आया है, जहाँ सहकारिता विभाग नियमों और माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों को दरकिनार कर अत्यंत गोपनीय तरीके से चुनाव कराने की तैयारी में जुटा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले दो वर्षों से जिले में क्रिकेट संचालन के लिए रजिस्ट्रार द्वारा एक पाँच सदस्यीय तदर्थ समिति (एडहॉक कमेटी) का गठन किया गया था। आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि इन दो सालों में इस समिति की न तो कोई औपचारिक बैठक आयोजित हुई और न ही चुनावों को लेकर कोई पारदर्शी चर्चा की गई। अब आगामी 19 जुलाई को मतदान की प्रक्रिया तय कर दी गई है, लेकिन तदर्थ समिति के मूल सदस्यों और स्थानीय क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों को इसकी कानों-कान खबर तक नहीं है।

नियमानुसार, चुनाव से 21 दिन पूर्व अधिसूचना जारी कर समाचार पत्रों में प्रकाशित करना, चुनाव स्थल पर नोटिस चस्पा करना और सभी संबंधित क्लबों व सदस्यों को ईमेल या रजिस्ट्री डाक द्वारा सूचित करना अनिवार्य होता है। परंतु इस मामले में इन सभी प्रक्रियाओं को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है।

इस पूरी चुनावी कवायद में राजनीतिक हस्तक्षेप के भी गंभीर आरोप लग रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि सहकारिता मंत्री के प्रभाव के चलते यह पूरी प्रक्रिया गुप्त तरीके से उनके क्षेत्र के अंतर्गत सावलिया जी (मंडफिया) स्थित गोकुल विश्रांति गृह में संचालित की जा रही है। जब मौके पर पड़ताल की गई, तो वहाँ न तो कोई घोषित चुनाव कार्यालय मिला और न ही कोई नोटिस बोर्ड लगा पाया गया।

हैरानी की बात यह है कि सहायक रजिस्ट्रार ने इस कार्यक्रम के बारे में किसी भी जानकारी से साफ इनकार कर दिया। वहीं, घोषित चुनाव अधिकारी बाबूलाल कुमावत ने भी मामले से पल्ला झाड़ते हुए स्वयं को चुनावी कार्यक्रम की वास्तविक जानकारियों से अनभिज्ञ बताया। इस अपारदर्शिता और नियमों के खुले उल्लंघन के कारण संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह संदेह के घेरे में आ गई है, जिससे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव की संभावनाओं पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

राजस्थान हाई कोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर की ओर से शनिवार को एमएनआईटी में वॉली-वर्डिक्ट टूर्नामेंट 2026 का आयोजन हुआ। जहां प्रतिभागियों ने अपना दमखम दिखाया। विजेता खिलाड़ियों को अध्यक्ष राजीव सोगरवाल और उपाध्यक्ष अनुराग कलावटिया ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

जिम्बाब्वे बनाम बांग्लादेश

बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को करारी शिकस्त दी, दूसरे मुकाबले में 34 रन से दर्ज की जीत

नई दिल्ली, 18 जुलाई। बांग्लादेश की टीम इन दिनों जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां पर आठ बैटर्स वाले प्लान से जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पहले टी20 मैच में आसानी से हराया. लेकिन दूसरे मैच में वह बांग्लादेश के लेग ब्रेक स्पिन गेंदबाज रिशाद हुसैन की फिरकी को नहीं झेल सके. बांग्लादेश की टीम ने पहले खेलते हुए 186 रन का टोटल बनाया. इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 152 रन पर ही ढेर हो गई, तो उसे 34 रन से हार का सामना करना पड़ा. इस तरह तीन मैचों की टी20 सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ गई और सीरीज का आखिरी मैच 19 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा.

पाक स्पिनर मो. नवाज डोप टेस्ट में फेल हुए, आईसीसी ने लगाया 3 माह का बैन

नई दिल्ली, 18 जुलाई। पाकिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को एंटी-डोपिंग कोड का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया है। नवाज ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसके बाद उन पर 3 महीने का बैन लगाया गया है। अगर वे नशीले पदार्थों के इलाज से जुड़ा ट्रीटमेंट प्रोग्राम पूरा कर लेते हैं, तो इस प्रतिबंध के समय को घटाकर 1 महीना कर दिया जाएगा। कोलंबो में हुआ था नवाज का डोपिंग टेस्ट 32 साल के नवाज का यह डोपिंग टेस्ट श्रीलंका के कोलंबो में हुआ था। 7 फरवरी को मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के बाद उनका सैंपल लिया गया था। इस टेस्ट में नवाज के शरीर में प्रतिबंधित नशीले पदार्थ (कार्बोक्सी-) के अंश पाए गए थे, जो एंटी-डोपिंग कोड के तहत बैन है। इसका संबंध खेल के प्रदर्शन से नहीं था नवाज ने अपनी इस गलती को स्वीकार कर लिया है। उन्होंने यह साबित किया कि इस प्रतिबंधित पदार्थ का इस्तेमाल उन्होंने आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन (यानी खेल के समय से अलग) किया था। साथ ही इसका उनके खेल के प्रदर्शन को बेहतर करने से कोई संबंध नहीं था। 1 मई से लागू माना गया प्रतिबंध नवाज पर लगा यह 3 महीने का प्रतिबंध 1 मई 2026 से लागू माना गया है। 1 मई से उन्होंने अपना प्रोविजनल सस्पेंशन शुरू किया था। अब ढाई महीने का निलंबन पूरा करने और ट्रीटमेंट प्रोग्राम में शामिल होने के कमिटमेंट के बाद उनका प्रोविजनल सस्पेंशन हटा लिया गया है। अगर वे की संतुष्टि के अनुसार इस ट्रीटमेंट प्रोग्राम को पूरा कर लेते हैं, तो उन्हें आगे कोई अतिरिक्त बैन नहीं झेलना होगा। नीदरलैंड्स मैच और उसके बाद के रिकॉर्ड्स रद्द एंटी-डोपिंग कोड के नियमों के तहत नवाज के कुछ मैचों के रिकॉर्ड्स को अमान्य कर दिया गया है। 7 फरवरी को नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए मैच और उसके बाद से लेकर 1 मई 2026 तक खेले गए सभी मैचों में उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन और रिकॉर्ड्स को अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

'मेसी के कदमों वाली घास बेचकर 90 करोड़ कमाएगा फीफा'

// तीन लाख में बिकेगा एक टुकड़ा, अमेरिका में मचा घमासान //

न्यूयॉर्क, 18 जुलाई। फीफा वर्ल्ड कप 2026 : फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला अर्जेंटीना और स्पेन के बीच खेला जाएगा। साल 2026 का सबसे बड़ा मुकाबला न्यूयॉर्क के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा और करीब 82 हजार फैंस से मैदान खचाखच भरा होगा। इस मैदान को लेकर एक बेहद रोचक जानकारी सामने आई है कि जिस घास की पिच पर फुटबॉल के भगवान कहे जाने वाले मेसी अपने कदम रखेंगे और युवा खिलाड़ी लामिन यमाल दौड़ते नजर आएंगे, उसी घास से फीफा ने 90 करोड़ रुपये कमाने का प्लान बनाया है। लेकिन यह बात न्यू जर्सी सरकार को पसंद नहीं आई और उसने आरोप लगाया कि मैदान अमेरिका की संपत्ति है, तो इससे होने वाली कमाई में न्यू जर्सी के टैक्सपेयर्स का भी हिस्सा होना चाहिए.

मेटलाइफ स्टेडियम में बिछाई गई नई घास : दरअसल, मेटलाइफ स्टेडियम में आर्टिफिशियल टर्फ पर अमेरिका की नेशनल फुटबॉल लीग के मैच खेले जाते थे। मगर फीफा के नियमों के चलते अमेरिका को मैदान पर बरमूडा घास लगानी पड़ी। इसके निर्माण में न्यू जर्सी स्पोर्ट्स एंड एक्सपोजिशन अथॉरिटी ने 13.04 मिलियन डॉलर (करीब 108 करोड़ रुपये) खर्च किए, जिसके चलते फीफा के मैच मेटलाइफ स्टेडियम में नैचुरल घास पर खेले जा सके।

फीफा ने घास से 90 करोड़ कमाने का प्लान बनाया : फीफा ने फाइनल से पहले ही इसी सप्ताह मेटलाइफ स्टेडियम की घास को ऑनलाइन बेचना शुरू किया। इसमें घास के छोटे-छोटे हिस्सों को रेजिन में सुरक्षित किया गया है।

तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैम्पियनशिप-2027 के प्रचार-प्रसार के लिए रैली निकाली

जयपुर, 18 जुलाई। आगामी तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप-2027 के प्रचार-प्रसार और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार सुबह जयपुर से सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी तक भव्य बाइक जागरूकता रैली निकाली गई। राजस्थान के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत तथा सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार के साथ रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

आयोजन समिति से जुड़े एडवोकेट ललित शर्मा ने बताया कि रैली में करीब 100 दिव्यांग पैरा थ्रोबॉल खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह रैली उस स्थल तक पहुंची, जहां मार्च 2027 में सिंघानिया विश्वविद्यालय, पचेरी में तीसरी एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। रैली का उद्देश्य पैरा खेलों को बढ़ावा देना, दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा को सम्मान दिलाना तथा समाज में समावेशिता और समान अवसर का संदेश देना रहा। इस अवसर पर मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी भी दृष्टि से कम नहीं हैं। उन्हें केवल उचित मंच और अवसर की आवश्यकता है। राज्य सरकार खेलों और दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सिंघानिया विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली एशियन पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप राजस्थान के लिए गौरव का विषय होगी और इससे प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन और सिंघानिया विश्वविद्यालय की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक सोच और समानता की भावना को मजबूत करते हैं। विश्व पैरा थ्रोबॉल फेडरेशन की अध्यक्ष निर्मला रावत ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों के उत्साह और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह रैली केवल खेलों के प्रचार का माध्यम नहीं बल्कि दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण का अभियान भी है।

अरावली क्रिकेट क्लब 9 विकेट से विजेता

जयपुर, 18 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच मे एम बी क्रिकेट क्लब और अरावली क्रिकेट क्लब के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर एम बी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। एम बी क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। एम बी क्रिकेट क्लब की ओर से आदित्य बडसरा ने 101 रन, आर्य सिंह ने 23 रन और हिम्मत सिंह ने 15 रन बनाये। अरावली क्रिकेट क्लब की और से गेदबाजी करते हुए अक्षित ने 46 रन देकर 5 विकेट, यशवंत सिंह ने 36 रन देकर के 2 विकेट और अयान पठान ने 52 रन देकर के 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट क्लब ने बल्लेबाजी करते हुए 213/1 26.4 ओवर मे रन बनाऐ। अरावली क्रिकेट क्लब कि ओर से नितिन अमरोठिया ने 76 रन, त्रिजल सैनी ने 23 रन ओर मोहम्मद कैफ ने 86 रन बनाये। एम बी क्रिकेट क्लब ने गेदबाजी करते हुए विशाल चौधारी ने 36 रन देकर 1 विकेट लिया। अरावली क्रिकेट क्लब 9 विकेट से विजेता हुई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में चानू और लवलीना होगी भारत की ध्वजवाहक

भारतीय ओलंपिक संघ ने की घोषणा, दोनों खिलाड़ी है ओलिंपिक मेडलिस्ट

नई दिल्ली, 18 जुलाई। ओलंपिक मेडलिस्ट मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वजवाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इस मल्टी-स्पोर्ट इवेंट का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों का यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। फिलहाल दोनों खिलाड़ी यूनाइटेड किंगडम में ट्रेनिंग कर रही हैं।

चानू ने टोक्यो ओलिंपिक में सिल्वर जीता था : मीराबाई चानू 8 अगस्त को 32 साल की हो जाएंगी। वे करीब एक दशक से भारत की प्रमुख वेटलिफ्टर हैं। उन्होंने 2021 टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर और 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि वे 2024 पेरिस ओलंपिक में पदक नहीं जीत सकीं, लेकिन ग्लासगो में वे भारत की बड़ी उम्मीद हैं।

लवलीना ने टोक्यो में ब्रॉन्ज जीता था : लवलीना बोरगोहेन ने टोक्यो ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड और 2023 हांगझू एशियाई खेलों में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। ग्लासगो में होने वाले इन खेलों में लवलीना को भारत की प्रमुख पदक दावेदारों में से एक माना जा रहा है।

2022 में सिंधु और मनप्रीत ध्वजवाहक थे : बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के उद्घाटन समारोह में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह भारतीय दल के ध्वजवाहक थे। वहीं समापन समारोह में विश्व चैंपियन मुक्केबाज निखत जरीन और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल ने तिरंगा थामकर भारतीय दल की अगुआई की।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने तिलानेश गांव में प्रातः भ्रमण किया

उन्होंने किसानों के साथ खेत में निराई- गुड़ाई की व उन्नत कृषि तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया

नागौर/जयपुर, 18 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह प्रातः भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर ग्रामीणों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना।

मुख्यमंत्री ने सबसे पहले खेतों में किसानों के साथ फसलों का अवलोकन किया और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निराई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले। तथा महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों के

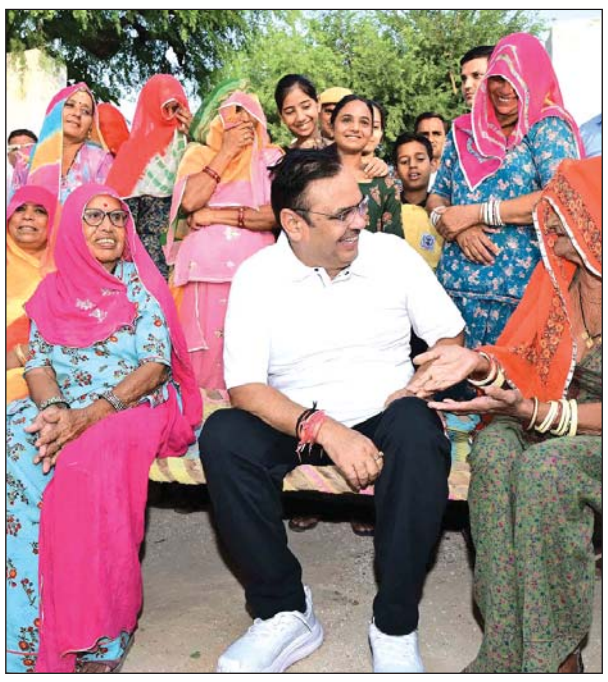

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।**

साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत गांव के शिवसागर तालाब की पाल पर पौधारोपण किया। इसके बाद श्री चारभुजा नाथ जी एवं वीर तेजाजी मंदिर में दर्शन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

ग्रामीणों के साथ चाय पर आयोजित चर्चा के दौरान गांव में पुस्तकालय सह अटल ज्ञान केंद्र की स्थापना, रामसरी गांव से जोबनेर-बुटाटी राज्य राजमार्ग तक 1.18 करोड़ रूपये की लगत से डामर सड़क निर्माण तथा गांव के शिवसागर तालाब के सौंदर्यीकरण एवं जीर्णोद्धार की घोषणा की।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किलोन्यूटन है। इसमें 3-डी प्रिंटेड तरल ईंधन इंजन का उपयोग किया गया है, जो पारंपरिक इंजनों की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत हल्का है। इसके ठोस ईंधन बूस्टर कार्बन फाइबर से बने कार्बन कंपोजिट ढांचे का उपयोग करते हैं। इस मिशन के तहत विक्रम-1 कुल छह पेलोड लेकर गया है। इनमें पांच पेलोड भारत में विकसित किए गए हैं, जबकि एक पेलोड जर्मनी की कंपनी डीक्यूब्ड जीएमबीएच द्वारा तैयार किया गया है। चंदना ने कहा, "हम भारत में विकसित पांच पेलोड और जर्मन कंपनी डीक्यूब्ड जीएमबीएच का एक पेलोड अंतरिक्ष में भेज रहे हैं।" स्कायरूट एयरोस्पेस की स्थापना वर्ष 2018 में इसरो के पूर्व वैज्ञानिक पवन कुमार चंदना और नागा भरत डाका ने की थी।नवंबर 2025 में कंपनी ने हैदराबाद में दो लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला अपना अत्याधुनिक इन्फिनिटी कैंपस स्थापित किया।इसी वर्ष मई में स्कायरूट भारत की पहली निजी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनी बनी, जिसने यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया। स्कायरूट की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत 18 नवंबर 2022 को विक्रम-एस के प्रक्षेपण से हुई थी। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा विकसित और प्रक्षेपित पहला रॉकेट था। विक्रम-एस ने 301.4 सेकंड तक उड़ान भरी और 88.8 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा। वह अपने साथ बाजूमक (आर्मेनिया), स्पेस किड्ज़ इंडिया और एन-स्पेस टेक इंडिया के तीन पेलोड लेकर गया था। चंदना ने कहा, "विक्रम-एस एक परीक्षण रॉकेट था। उसकी सफलता के बाद हमने केवल तीन वर्षों में विक्रम-1 विकसित कर लिया।" वर्तमान में इसरो मुख्य रूप से पीएसएलवी ,जीएसएलवीऔर एलवीएम-3 (3) प्रक्षेपण यानों का उपयोग करता है। पीएसएलवी मुख्य रूप से ध्रुवीय और सूर्य-समकालिक कक्षाओं में उपग्रह भेजने के लिए इस्तेमाल होता है और लगभग 600 किलोमीटर की ऊंचाई तक 1,750 किलोग्राम पेलोड ले जा सकता है। जीएसएलवी भारी संचार उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए उपयोग किया जाता है। यह भू-समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में लगभग 2,250 किलोग्राम तथा निम्न पृथ्वी कक्षा में करीब 6,000 किलोग्राम पेलोड पहुंचा सकता है। इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान एलवीएम-3 जीटीओ में लगभग 4 टन तथा एलईओ में 8,000 किलोग्राम तक पेलोड ले जाने में सक्षम है।

देश को आगे बढ़ाने के लिये असहमति का सम्मान आवश्यक - पायलट

सचिन पायलट ने एनएसयूआई द्वारा आयोजित 'छात्र संविधान संवाद' कार्यक्रम को संबोधित किया

जयपुर, 18 जुलाई। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था, विविधता और संविधान है। देश को आगे बढ़ ाने के लिए हर वर्ग की आवाज़ सुनना और असहमति का सम्मान करना आवश्यक है। पायलट ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आव्हान पर चलाए जा रहे देशव्यापी अभियान "छात्रों की गूंज" के तहत एन.एस.यू.आई. द्वारा आज जयपुर में आयोजित "छात्र-संविधान संवाद" कार्यक्रम के अपने उद्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि आज शिक्षा व्यवस्था, प्रतियोगी परीक्षाओं और युवाओं के भविष्य को लेकर देशभर में गहरी चिंता है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार अपने बच्चों की पढ़ ाई पर लाखों रुपये खर्च करते हैं, लेकिन बार-बार पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और मूल्यांकन में गड़बड़ियों से युवाओं का व्यवस्था पर विश्वास कमजोर हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट सहित विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं के बावजूद सरकार जवाबदेही तय करने में विफल रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर कर राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास कर रही है, जबकि आवश्यकता संविधान की भावना के अनुरूप पारदर्शी और जवाबदेह शासन की है।

पायलट ने कहा कि देश का युवा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक है और न्याय, पारदर्शिता तथा जवाबदेही की इस लड़ाई में कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट शनिवार को "छात्रों की गूंज" अभियान के तहत एन.एस.यू.आई. द्वारा आयोजित "छात्र-संविधान संवाद" कार्यक्रम में शामिल हुए।

अरब देश ईरानी हमलों के खिलाफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वैसे भी ईरान अपनी फ़ारसी विरासत पर गर्व करता है और अरब पड़ोसियों की तुलना में खुद को श्रेष्ठ मानता है तथा नस्लीय पूर्वाग्रह से ग्रस्त है। दूसरी ओर, अरब देशों में फ़ारसी ईरान के प्रति सदियों पुराना अविश्वास बना हुआ है।

ईरान और उसके अरब पड़ोसियों के बीच पारंपरिक दुश्मनी की इस पृष्ठभूमि में, मौजूदा संघर्ष और अरब देशों पर ईरान के लगातार हमले, फ़ारसी ईरान और उसके आसपास के अरब देशों के बीच पहले से कहीं अधिक गहरी और व्यापक खाई पैदा कर रहे हैं।

अमेरिका ने ईरान की संपत्तियों पर, यहां तक कि देश के अंदरूनी हिस्सों में स्थित ठिकानों पर भी, अपने भीषण हमले और तेज कर दिए हैं। अमेरिका व्यवस्थित तरीके से अपने हमलों का दायरा बढ़ा रहा है और अब गैर-सैन्य ठिकानों को भी निशाना बना रहा है। ताज़ा जानकारी के अनुसार, कुछ अस्पतालों पर भी बमबारी की गई है, जिसके कारण मरीजों को तुरंत वहां से हटाना पड़ा।

नए सिरे से शुरू हुए ये हमले, होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले कुछ जहाजों पर ईरान के हमले के जवाब में किए गए। वास्तव में, जब होर्मुज़ से जहाजों की आवाजाही की स्थिति कुछ सामान्य होने लगी, तो ईरान को लगा कि होर्मुज़ के मामलों पर उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। ईरान ने उन जहाजों पर हमला किया, जो अमेरिकी अनुमति और निर्देशों के आधार पर वहां से गुजर रहे थे। ईरान ने इसे होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर अपनी मजबूत पकड़ कमजोर होने के रूप में देखा। उसका मानना था कि केवल ईरानी अधिकारियों से अनुमति प्राप्त जहाजों को ही सुरक्षित रास्ता मिलना चाहिए।

लेकिन होर्मुज़ के लिए यह व्यवस्था स्वीकार्य नहीं थी। ट्रंप और अमेरिका का कहना था कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य एक अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग बना रहना चाहिए और उस पर ईरान का नियंत्रण नहीं होना चाहिए। कम से कम उसकी स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि सभी देशों के जहाज वहां से स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। वास्तव में होर्मुज़ जलडमरूमध्य का तटीय देश केवल ईरान ही नहीं है। ओमान भी इसका एक तटीय देश है। हाल के घटनाक्रमों में ईरान की बढ़ती सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बाद, अब खाड़ी के अरब देश ईरान की सैन्य ताकत से खतरा महसूस कर रहे हैं।

सफेद चादरों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सदस्य ने इसकी ज़िम्मेदारी ली है। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार में जवाबदेही का अभाव है। सोनम वांगचुक को जिस तरीके से धरना स्थल से हटाया गया, उससे शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान की भूमिका तथा मोदी सरकार की कथित अलोकतांत्रिक कार्यप्रणाली संसद में प्रमुख मुद्दा बन सकती है। संसद की कार्यवाही प्रभावित होने की आशंका है। साथ ही, प्रदर्शनकारियों को संसद के निकट पहुंचने से रोकने के लिए जंतर-मंतर और संसद के बीच के मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात किए जाने की संभावना भी जताई गई है। भले ही जंतर-मंतर और संसद के बीच की भौतिक दूरी बहुत कम हो, लेकिन मोदी सरकार और जनता के बीच बढ़ती राजनीतिक दूरी हर दिन और अधिक गहरी होती जा रही है।

एनडीए में आना है तो पहले सुनेत्रा पवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन उन्होंने पार्टी के एनडीए में शामिल होने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा, "मीडिया तो पिछले 12 वर्षों से मेरे शपथ ग्रहण और मंत्री पद की भविष्यवाणी करता आ रहा है।" शनिवार को शरद पवार ने भी इन अटकलों को और हवा देते हुए कहा, "अभी इस विषय पर बात करने का समय नहीं है।" राजनीतिक पुनर्संयोजन की चर्चाएं तब तेज हुईं, जब शरद पवार ने हाल ही में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुलाकात की। इसके अलावा, इस सप्ताह एनसीपी के दोनों गुटों के वरिष्ठ नेताओं ने मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के साथ देर रात गोपनीय बैठकें भी कीं। एनसीपी (एसपी) की ओर से जयंत पाटिल इस बैठक में शामिल हुए थे।लेकिन सुप्रिया सुले ने स्पष्ट किया कि जयंत पाटिल ने फडणवीस से पार्टी के एक नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ हुई कार्रवाई के मुद्दे पर चर्चा के लिए विधिवत समय लिया था। इन घटनाक्रमों पर कांग्रेस की भी नजर है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने दावा किया कि भाजपा प्रस्तावित परिसीमन विधेयक के समर्थन के लिए एनसीपी (एसपी) और डीएमके का समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रही है। इन घटनाओं के बीच, एक व्यक्ति सबसे अधिक असहज बताया जा रहा है। वे हैं, एनसीपी प्रमुख सुनेत्रा पवार। सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) को एनडीए में शामिल किए जाने की चर्चाओं से वे असहज हैं। जनवरी में अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद, एनसीपी के भीतर सत्ता संघर्ष और तेज हो गया है। ताजा विवाद इस बात को लेकर है कि पार्टी का एक वर्ग सुनेत्रा और अजित पवार के पुत्र तथा सांसद पार्थ पवार को केन्द्रीय मंत्रिमंडल में शामिल कराने की पैरवी कर रहा है।

SIKAR- NEAR D.T.O OFFICE, JAIPUR ROAD, JHUNJHUNU, AURIC MOTORS PVT. LTD.: 7230003521, 7412059847, 7412087309 | **JAIPUR – JHUNJHUNU BYPASS, NEAR PIPRALI CHORAHA, SIKAR,** JAMU AUTOMOBILES: 9694097851, 9694095757, 9887048515 | **CHURU**: T.R SAWHNEY MOTORS PVT. LTD. OPP. HOTEL GRAND SHEKHAWATI, JAIPUR ROAD: 8882898919.

*नियम एवं शर्तें लागू। विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए कृपया निकटतम डीलरशिप पर संपर्क करें। दर्शाई गई छवियाँ केवल प्रतिनिधिक उद्देश्य के लिए हैं। वाहन पर काला शीशा प्रकाश प्रभाव के कारण होता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600